राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 221 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, मंगलवार, 22 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

खास खबर

ऋषिगंगा आपदा : एक और शव बरामद

गोपेश्वर। ऋषिगंगा त्रासदी को गुजरे एक साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद चमोली जिले के तपोवन में स्थित एनटीपीसी की पनबिजली परियोजना स्थल से सोमवार को एक और शव बरामद हुआ। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। पिछले साल सात फरवरी को ऋषिगंगा आपदा में बुरी तरह क्षतिग्रस्त एटीपीसी की 520 मेगावाट क्षमता की तपोवनविष्णुगाड परियोजना की सुरंग से मलबे की सफाई के दौरान यह शव मिला।

ईडी ने लाल चंदन तस्कर सहित चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया

नई दिल्ली। ईडी ने लाल चंदन तस्करी के एक मामले से जुड़े धन शोधन की जांच के सिलसिले में मुंबई की एक अदालत में एक आरोप पत्र दाखिल किया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत मुंबई की विशेष अदालत में बादशाह माजिद मलिक सहित चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। मलिक कथित सरगना है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि अदालत ने 18 फरवरी को इसका संज्ञान लिया।

चारा घोटाले के डोरंडा गबन मामले में लालू को पांच वर्ष की कैद

रांची। चारा घोटाले के तहत डोरंडा कोषागार से 139.35 करोड़ रुपए के गबन मामले में दोषी करार दिए गए राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को यहां की विशेष सीबीआई अदालत ने पांच वर्ष के सश्रम कारावास और 60 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। इसके साथ ही अदालत ने इस मामले में 39 अन्य लोगों को तीन वर्ष से लेकर पांच वर्ष तक की कैद एवं एक लाख से दो करोड़ रुपए तक के जुर्माने की सजा सुनाई। लालू के अलावा पूर्व राजद सांसद आर के राणा को भी पांच वर्ष की कैद एवं 60 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। मिमामले में चालीस में से पांच लोगों को पांच-पांच वर्ष की कैद, 32 को चार-चार वर्ष की कैद और तीन दोषियों को तीन-तीन वर्ष कैद की सजा सुनाई।

आजादी का अमृत महोत्सव : 23-25 फरवरी तक शिल्प मेले का आयोजन

■ नई दिल्ली

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) 23-25 फरवरी के बीच शिल्प मेले का आयोजन कर रहा है जिसमें विभिन्न राज्यों की स्थानीय कला एवं शिल्प का प्रदर्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी और आईसीसीआर के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे करेंगे।

आईसीसीआर के अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे ने संवाददाताओं से कहा, शिल्प मेले में इस बात को रेखांकित किया जाएगा कि किस प्रकार से भारतीय शिल्पकला सांस्कृतिक धरोहर एवं स्थानीय आजीविका को बनाए रखते हुए धरती की पारिस्थितिकी के साथ संतुलन स्थापित करती है। उन्होंने बताया कि इसके उद्घाटन कार्यक्रम में 70-75 देशों के विदेशी मिशन के प्रमुख एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति हिस्सा लेंगे। सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि इस समारोह में मध्यप्रदेश की गौंड कला, राजस्थान की स्थानीय कला, दिल्ली से बांस से जुड़े उत्पाद, तेलंगाना से कलमकारी कला, उत्तर प्रदेश से मूंज के बास्केट, महाराष्ट्र से वर्ली कला, गुजरात से स्थानीय कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

शिल्प मेले में 11 राज्यों के 22 शिल्पकार पांच प्रकार की भारतीय पारंपरिक कला का प्रदर्शन करेंगे। इसमें बांस पर आधारित कला, कपड़ा, पारंपरिक लोक कला, पुनःचक्रीय उत्पाद आदि शामल है।

वहीं, आईसीसीआर के महानिदेशक कुमार तुहीन ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत हर मंत्रालय अपनी तरफ से कुछ कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और इसी श्रृंखला में विदेश मंत्रालय 21-27 फरवरी के दौरान आजादी का अमृत महोत्सव विशिष्ठ सप्ताह मना रहा है और इसी के तहत आईसीसीआर 23 फरवरी से तीन दिवसीय शिल्प मेले का आयोजन कर रहा है।

अंतिम संस्कार के दौरान पथराव

बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की हत्या, हिंसा भड़की

एजेंसी ■ शिवमोगा

कर्नाटक के शिवमोगा में बजरंग दल के 23 वर्षीय एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। सोमवार को मृतक के अंतिम संस्कार के दौरान हिंसा भड़की उठी, जिसमें एक फोटो पत्रकार और महिला पुलिसकर्मी समेत तीन लोग घायल हो गए।यह घटना उस समय हुई, जब पुख्ता सुरक्षा इंतजाम के बीच अंतिम संस्कार के दौरान कुछ उपद्रवियों ने पथराव कर दिया। साथ ही कुछ वाहनों को जलाने और क्षतिग्रस्त किए जाने के अलावा कुछ दुकानों में तोड़फोड़ होने की जानकारी भी सामने आई है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, मृत कार्यकर्ता हर्षा का शव अस्पताल से अंतिम संस्कार के लिए लेकर जाने के दौरान पथराव किया गया।

पुलिस ने कहा कि हत्या के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने हालात को काबू में करने का प्रयास किया और शव अंतिम संस्कार के लिए ले जाने का रास्ता साफ किया। पुलिस ने बताया कि भारती कॉलोनी की रवि वर्मा गली में रविवार रात अज्ञात हमलावरों ने हर्षा नामक व्यक्ति की कथित तौर पर चाकू से वार करके हत्या कर दी। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री एवं शिवमोगा से विधायक के.एस. ईश्वरप्पा ने जिले के मुसलमान गुंडों पर हत्या का आरोप लगाया है। ईश्वरप्पा ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार पर भी आरोप लगाया कि उनके बयान ने अल्पसंख्यक समुदाय में असामाजिक तत्वों को उकसाया।

विहिप ने हत्या की निंदा की

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की कर्नाटक में हुई हत्या की सोमवार को निंदा करते हुए आरोप लगाया कि यह कट्टरपंथी तत्वों द्वारा मुस्लिम समुदाय में फैलाए जा रहे जहर का परिणाम है, जिस पर लगाम लगाए जाने की जरूरत है। रविवार को हुई इस हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विहिप के संयुक्त महामंत्री सुरेन्द्र जैन ने अपने बयान में कहा, यह घोर निंदनीय है।

सपा-कांग्रेस ने लिया आतंकवाद की लड़ाई को कमजोर करने का प्रण

■ पीलीभीत

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को आतंकवाद के मुद्दे पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) को घेरते हुए आरोप लगाया कि इन दोनों दलों ने देश में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करने का प्रण लिया है। शाह ने यहां भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा में आरोप लगाया कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपने हालिया साक्षात्कार में आतंकवाद के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा था कि ऐसी फिजूल बातों के लिए उनके पास वक्त नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया,माताओं-बहनों आप एक बात का फैसला कर लीजिए कि एक ओर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का कहना है कि आतंकवाद पर रोक लगाना फिजूल बात है, दूसरी ओर उनके नेता सलमान खुर्शीद कहते थे कि अहमदाबाद के बम धमाकों में पकड़े गए सिमी के लोग बेगुनाह हैं, उनको छोड़ देना चाहिए। उन्होंने उनकी पैरवी भी की।

शाह ने समाजवादी पार्टी को भी घेरते हुए दावा किया ै अखिलेश जब सत्ता में आए तो उन्होंने संकट मोचन मंदिर पर बम धमाके और लखनऊ में बम धमाके के सभी अरोपियों को छोड़ने का वादा घोषणा पत्र में किया था। वह तो इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दखल दे दिया तो रुक गया वरना सारे आतंकवादी छूट जाते। वोट की लालच में जो देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हैं, क्या ऐसे लोगों को वोट देना चाहिए। कांग्रेस और सपा ने मिलकर इस देश में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करने का प्रण लिया है।

उन्होंने कहा भाजपा आतंकवाद के खिलाफ कत्तई बर्दाश्त नहीं की नीति के साथ शासन में रहती है। हमारा संकल्प है कि आतंकवाद फैलाने वाला कोई भी हो, किसी भी मजहब या जाति का हो, आतंकवाद को इस देश और दुनिया से जड़ से उखाड़ कर फेंक देना चाहिए। शाह की रैली के दौरान स्थानीय भाजपा सांसद वरुण गांधी मौजूद नहीं थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनावी रैलियों में भी वह शामिल नहीं हुए थे। वरुण ने पिछले दिनों किसानों के मुद्दे पर अपनी ही सरकार के खिलाफ कड़े तेवर अख्तियार किए थे।

पीलीभीत में बड़ी संख्या में मौजूद सिख समुदाय को लुभाने की कोशिश करते हुए गृह मंत्री ने कहा जो बोले सो निहाल का नारा लगाते हुए शाह ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के तीनों चरणों के मतदान में सपा और बसपा दोनों का ही सूपड़ा साफ हो गया है और कांग्रेस तो दूरबीन लेकर भी दिखाई नहीं पड़ती है। भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि गरीबों और वंचितों की सच्ची हितैषी भाजपा ही है, अगर सपा सत्ता में आई तो फिर से गुंडागर्दी छा जाएगी। पिछले पांच साल में योगी ने चुन-चुन कर माफियाओं का सफाया कर दिया है।

केजरीवाल ने चुनाव के बाद त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में भाजपा विरोधी खेमे का साथ देने का स्पष्ट इशारा दिया

नईदिल्ली। केजरीवाल ने चुनाव के बाद त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में भाजपा विरोधी खेमे का साथ देने का स्पष्ट इशारा दिया। उन्होंने कहा ैमेरे पास एक आदमी आया। उसने कहा केजरीवाल जी चुनाव में गारंटी तो बड़ी-बड़ी दे रहे हो लेकिन क्या जीतोगे भी। मैंने कहा कि सारे सर्वे यह दिखा रहे हैं कि हो सकता है किसी को भी बहुमत ना मिले तो भाजपा को बाहर रखने के लिए अगर हमारी जरूरत पड़ी और अगर हम सरकार में शामिल हुए तो जिसकी भी सरकार होगी उससे मैं अपनी सारी गारंटी पूरी करा लूंगा।

मौलिक कर्तव्यों के पालन के लिए कानून की मांग वाली याचिका पर केंद्र, राज्यों से जवाब तलब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने संविधान में प्रदत्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सुपरिभाषित कानूनानियम बनाने का निर्देश देने संबंधी याचिका पर केंद्र सरकार और राज्यों से सोमवार को जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने शीर्ष अदालत के वकील दुर्गा दत्त की याचिका पर नोटिस जारी किए।

संविधान के भाग IV-ए के तहत निर्धारित जनादेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी करने की मांग की गई है और कहा गया है कि उनका पालन न करने का सीधा असर अनुच्छेद 14, 19, 21 के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों के इस्तेमाल और उससे मिलने वाली खुशी पर पड़ता है। मौलिक कर्तव्यों का उद्देश्य प्रत्एक नागरिक को निरंतर यह याद दिलाते रहना है कि संविधान ने यदि उन्हें कुछ मौलिक अधिकार दिए हैं।

आशीष मिश्रा की जमानत को एससी में चुनौती

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी हिंसा में मारे गए किसानों के परिवारों ने केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे और मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की है। लखीमपुर खीरी में पिछले साल तीन अक्टूबर को हुई हिंसा में चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। मृत किसानों के परिवारों के तीन सदस्यों ने उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के 10 फरवरी के जमानत आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह फैसला कानून की नजर में टिकने लायक नहीं है क्योंकि इस मामले में राज्य द्वारा अदालत को कोई सार्थक और प्रभावी सहायता नहीं दी गई। जगजीत सिंह, पवन कश्यप और सुखविंदर सिंह ने अधिवक्ता प्रशांत भूषण के माध्यम से दायर की गई याचिका में कहा, जमानत देने के लिए तय सिद्धांतों के संबंध में उच्च न्यायालय के आदेश में राज्य द्वारा ठोस दलीलों की कमी रही और आरोपी राज्य सरकार पर पर्याप्त प्रभाव रखता है क्योंकि उसके पिता उसी राजनीतिक दल से केंद्रीय मंत्री हैं, जो राज्य की सत्ता में है। आदेश कानून की नजर में टिकने योग्य नहीं है क्योंकि सीआरपीसी, 1973 की धारा 439 के पहले प्रावधान के उद्देश्य के विपरीत मामले में राज्य द्वारा अदालत को कोई सार्थक और प्रभावी सहायता नहीं मिली, जिसके तहत गंभीर अपराध से जुड़ी जमानत अर्जी के संबंध में आम तौर पर लोक अभियोजक को नोटिस दिया जाना चाहिए। याचिका में कहा गया, आरोपी के निर्देश पर शांतिपूर्वक लौट रहे किसानों को जानबूझकर थार वाहन से कुचलने का कृत्य लापरवाही नहीं बल्कि एक पूर्व नियोजित साजिश थी क्योंकि आरोपी उसके बाद खेतों से होते हुए शाम लगभग चार बजे दंगल कार्यक्रम वाली जगह पर वापस आ गया और ऐसे पेश आया, जैसे कुछ हुआ ही नहीं था।

जम्मू-कश्मीर की समावेशी भावना के विरोधियों के लिए आंख की किरकिरी है नेका

एजेंसी ■ जम्मू

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की समावेशी भावना के खिलाफ काम करने वाले तत्वों के लिए एक मजबूत नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) आंख की किरकिरी है। नेकां के अध्यक्ष अब्दुल्ला ने पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें लोगों की सेवा करने और समावेशी भावना को बढ़ाने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। पूर्व सीएम ने धर्मनिरपेक्ष लोकाचार के प्रति प्रतिबद्धता के लिए आम तौर पर जनता और विशेष रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना की। यह गौरवशाली परंपरा आगामी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

सरकार ने बाल कल्याण का बजट घटा कर देश के भविष्य को जोखिम में डाला : राहुल

■ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने बाल कल्याण के लिए बजट आवंटन को 50 प्रतिशत घटा कर देश के भविष्य को जोखिम में डाल दिया है। बाल कल्याण के बजट को आधा करके भारत के भविष्य को जोखिम में डाल दिया है। इसकी मोदी मित्रों की आय से तुलना करिए। यह पता करना बहुत आसान है कि यह सरकार किसके लिए काम कर रही है। खबर में कहा गया है कि वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में बच्चों के लिए आवंटन की हिस्सेदारी 2.35 प्रतिशत है, जो 2013-14 में 4.64 प्रतिशत थी।

जरा हट के... बग्गा

विदेश मंत्रालय ने की अमृत महोत्सव सप्ताह की शुरुआत

■ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को आजादी का अमृत महोत्सव की शुरूआत की तथा वसुधैव कुटुम्बकम की सोच के आधार पर इस अवधि में देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विदेश मंत्रालय 21-27 फरवरी के दौरान आजादी का अमृत महोत्सव विशिष्ठ सप्ताह मनाएगा और इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष 12 मार्च को की थी जो देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 75 सप्ताह तक मनाए जाने वाले कार्यक्रमों से संबंधित है।

उन्होंने बताया कि यह काफी संतोष की बात है कि अब तक आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान हमारे दूतावासों एवं उच्चायोगों ने 5 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। जयशंकर ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतियों एवं भौगोलिक स्तर पर प्रतिबंधों के बावजूद आजादी के अमृत महोत्सव में हमारे लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों का प्रदर्शन हुआ।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने जनभागीदारी को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में आत्मसात किया है और सोशल एवं डिजिटल मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग किया है।

वहीं, इस दौरान भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) भी 23-25 फरवरी तक शिल्प मेले का आयोजन कर रहा है। सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान ने विदेश मंत्रालय के बाह्यय प्रचार प्रकोष्ठ के सहयोग से 21-25 फरवरी तक मीडिया के लिए विदेश नीति पर विशेष कोर्स का आयोजन किया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने अन्नाद्रमुक की निंदा की

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि राज्य में अभी संपन्न हुए नगर निकाय चुनाव से जुड़ी घटनाओं के सिलसिले में निष्पक्ष कर्वाई की गई।

स्टालिन ने चुनाव के दिन द्रमुक के एक पदाधिकारी की कमीज उतारने और उनका अपमान करने को लेकर अन्नाद्रमुक नेता एवं राज्य के पूर्व मंत्री डी जयकुमार की आलोचना की और कहा कि द्रमुक इस मुद्दे का कानूनी रूप से मुकाबला करेगा एवं कानून अपना काम करेगा।

एबीजी शिपयार्ड के पूर्व सीएमडी ऋषि अग्रवाल से सीबीआई ने की पूछताछ

एजेंसी ■ नई दिल्ली

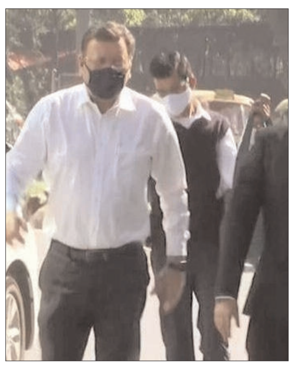

एबीजी शिपयार्ड कंपनी के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) ऋषि अग्रवाल 22,848 करोड़ रुपए की कथित बैंकिंग धोखाधड़ी के संबंध में पूछताछ के लिए सोमवार को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेश हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।उन्होंने कहा कि सीबीआई ने पिछले सप्ताह भी उनसे पूछताछ की थी और आने वाले दिनों में बैंकों द्वारा किए गए फॉरेंसिक ऑडिट में बताए गए विभिन्न पहलुओं पर उनका बयान दर्ज करना जारी रखेगी।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने 17 महीने पहले 25 अगस्त, 2020 को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शिकायत पर इस मामले में सात फरवरी, 2022 को प्राथमिकी दर्ज की थी। एजेंसी ने तत्कालीन कार्यकारी निदेशक संथानम मुथास्वामी, निदेशकों अश्विनी कुमार, सुशील कुमार अग्रवाल और रवि विमल नेवेतिया तथा एक अन्य कंपनी एबीजी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और पद के दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। ए आरोप भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के तहत लगाए गए हैं।सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज करने के बाद 12 फरवरी को 13 स्थानों पर छापेमारी की थी। अधिकारियों ने दावा किया कि उन्हें कई ठोस दस्तावेज मिले थे, जिनमें कंपनी के खाते शामिल हैं और उनकी जांच की जा रही है। बैंक ने सबसे पहले आठ नवंबर, 2019 को एक शिकायत दर्ज कराई, जिस पर केंद्रीय जांच एजेंसी ने 12 मार्च, 2020 को कुछ स्पष्टीकरण देने को कहा था। बैंक ने उसी साल अगस्त में एक नई शिकायत दर्ज कराई थी। सीबीआई ने डेढ़ साल से अधिक समय तक ैजांचै करने के बाद शिकायत पर कार्वाई की तथा सात फरवरी, 2022 को प्राथमिकी दर्ज की।

डीसीजीआई ने 12 से 18 साल के आयु वर्ग के लिए

कोविड रोधी टीके कोर्बेवैक्स को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने 12 से 18 साल के आयु वर्ग के लिए बायोलॉजिकल ई के कोविड-19 टीके कोर्बेवैक्स को सीमित आपात इस्तेमाल के वास्ते मंजूरी (ईयूए) दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, सरकार ने अभी तक 15 साल से कम उम्र वालों को टीका लगाने पर कोई फैसला नहीं लिया है। डीसीजीआई की ओर से 12 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के लिए मंजूरी हासिल करने वाला कोर्बेवैक्स तीसरा टीका बन गया है। इससे पहले जाइडस कैडिला के जायकोव-डी और भारत बायोटेक के कोवैक्सीन को मंजूरी दी गई थी। इस समय भारत 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के किशोरों का टीकाकरण करने के लिए कोवैक्सीन का इस्तेमाल किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल में कहा था कि टीकाकरण की अतिरिक्त जरूरत और टीकाकरण के लिए आबादी को शामिल करने पर लगातार विचार किया जा रहा है।

भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की विषय विशेषज्ञ समिति ने 14 फरवरी को 12 से 18 साल के किशोरों के लिए कुछ शर्तों के साथ बायोलॉजिकल ई के कोविड-19 टीके कोर्बेवैक्स को आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी देने की अनुशंसा की थी। इसके बाद डीसीजीआई ने यह मंजूरी दी है। डीसीजीआई, कोर्बेवैक्स को वयस्कों के लिए सीमित आधार पर आपात इस्तेमाल के वास्ते अपनी मंजूरी 28 दिसंबर को ही दे चुका है। यह भारत में ही कोविड-19 के खिलाफ विकसित आरबीडी आधारित टीका है। हालांकि, इस टीके को देश के टीकाकरण अभियान में शामिल नहीं किया गया है।एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, ैडीसीजीआई ने सोमवार को कुछ शर्तों के तहत 12 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के लिए कोर्बेवैक्स को सीमित ईयूए प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि नौ फरवरी को डीसीजीआई को भेजे गए आवेदन में बायोलॉजिकल ई लिमिटेड के गुणवत्ता एवं नियमन मामलों के प्रमुख श्रीनिवास कोसाराजू ने कहा था कि कंपनी को कोर्बेवैक्स का पांच से 18 साल की आयु वर्ग पर दूसरे-तीसरे चरण के चिकित्सकीय परीक्षण की अनुमति पिछले साल सितंबर में मिली थी। कोर्बेवैक्स टीका मांसपेशियों के जरिए शरीर में पहुंचाया जाएगा और 28 दिनों के भीतर दो खुराक लेनी होगी। इस टीके का भंडारण दो से आठ डिग्री सेल्सियस पर किया जाता है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बढ़ते तनाव के बीच पुतिन को बातचीत का प्रस्ताव दिया

मॉस्को। यूक्रेन-रूस तनाव के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बैठक करके संकट का हल निकालने का प्रस्ताव दिया।

जेलेंस्की ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा, मैं नहीं जानता कि रूस के राष्ट्रपति क्या चाहते हैं। इसलिये, मैं उन्हें मुलाकात का प्रस्ताव देता हूं।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस बातचीत के लिये स्थान का चयन कर सकता है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिये यूक्रेन केवल कूटनीति के रास्ते पर चलता रहेगा।

जेलेंस्की के इस प्रस्ताव पर रूस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

ताइवान के प्रधानमंत्री चाहते हैं चीन की पोशाक पहनने के लिए खिलाड़ी को सजा मिले

ताइपे। ताइवान के प्रधानमंत्री सु सेंग चैंग चाहते हैं कि ताइवान की ओलंपिक स्पीडस्केट खिलाड़ी को सजा दी जाए जिसने ट्रेनिंग के दौरान संभवत~ चीन की टीम की पोशाक पहनी थी।

शीतकालीन ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली ताइवान की चार खिलाड़ियों में से एक हुआंग यू टिंग ने अपने सोशल मीडिया पेज पर 23 जनवरी को एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें ऐसा लगा रहा था कि वे चीन की पोशाक में ट्रेनिंग कर रही हैं। सेंट्रल न्यूज एजेंसी (सीएनए) ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने कहा है कि हुआंग ने माफी मांगते हुए वीडियो हटा लिया है।

कैबिनेट के प्रवक्ता लो पिंग चेंग के हवाले से सीएनए ने बताया कि प्रधानमंत्री ने शिक्षा मंत्रालय और खेल प्रशासन को जांच करने को कहा है जिससे कि हुआंग को उचित सजा दी जा सके।

हरित विकास, स्वच्छ प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना भारत और जर्मनी की साझा प्रतिबद्धता है: जयशंकर

म्यूनिख (जर्मनी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जर्मनी की आर्थिक सहयोग एवं विकास मंत्री स्वेन्जा शुल्जे के साथ ''रचनात्मक बैठक'' के बाद कहा कि हरित विकास एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना भारत और जर्मनी की साझा प्रतिबद्धता है।

जयशंकर यहां म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2022 में भाग लेने के लिए शुक्रवार को जर्मनी पहुंचे थे। जयशंकर ने शनिवार देर रात ट्वीट किया, ''मैंने जर्मनी की आर्थिक सहयोग एवं विकास मंत्री स्वेन्जा शुल्जे के साथ रचनात्मक बातचीत की।''

उन्होंने कहा, ''हमने विकास साझेदारी को लेकर अपने-अपने दृष्टिकोण पर चर्चा की। हम हरित विकास एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

जयशंकर ने जर्मनी के चांसलर के विदेश एवं सुरक्षा नीति सलाहकार जेन्स पोएत्नर से भी वार्ता की। उन्होंने ट्वीट किया, ''जर्मनी के चांसलर के विदेश एवं सुरक्षा नीति सलाहकार जेन्य पोएत्नर के साथ बैठक अच्छी रही। हमने वैश्विक विकास की उपयोगी समीक्षा की।''

जयशंकर ने आयरलैंड के अपने समकक्ष साइमन कोवेनी के साथ भी वार्ता की। उन्होंने कहा, ''आयरलैंड के विदेश मंत्री के साथ दिन में बैठक की। हमने यूएनएससी (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) में निकटता से काम किया है। आयरलैंड ने ईयू (यूरोपीय संघ) के साथ हमारे संबंधों में अहम भूमिका निभाई है।''

एक और हेलीकाप्टर समुद्र में गिरा, एक अधिकारी की मौत, बचाव कार्य जारी

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। कैलिफोर्निया तट के समीप समुद्र में हंटिंगटन बीच पुलिस का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक अधिकारी की मौत हो गयी तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

हंटिंगटन बीच पुलिस विभाग ने बताया कि हेलीकॉप्टर न्यूपोर्ट बीच के समीप शनिवार को शाम करीब साढ़े छह बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

पुलिस अधिकारियों ने शनिवार रात संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दुर्घटना में जिस अधिकारी की मौत हो गयी उसने 14 वर्षों तक विभाग के लिए काम किया। दूसरा अधिकारी 16 वर्षों से विभाग में सेवा दे रहा है। किसी भी अधिकारी का नाम अभी नहीं बताया गया है। हादसे की वजह का पता लगाया जा रहा है।

सभी कोविड प्रतिबंध अगले सप्ताह हटा देगा ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने शनिवार को पुष्टि की कि कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के लिए अगले सप्ताह से स्वयं को पृथकवास में रखना कानूनी अनिवार्यता नहीं होगी।

ब्रिटेन ने ''कोविड के साथ जीने'' की योजना के तहत यह घोषणा की है। इस बात की भी संभावना है कि कोरोना वायरस की जांच भी कम की जाएगी।

देश के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए सभी कानूनी प्रतिबंधों को समाप्त किए जाने से ब्रिटने में लोग अपनी ''स्वतंत्रता को प्रतिबंधित किए बिना अपनी रक्षा कर सकेंगे।''

बहरहाल, सरकार के कुछ वैज्ञानिक सलाहकारों का कहना है कि यह एक जोखिम भरा कदम है, जिससे संक्रमण तेजी से फैल सकता है और भविष्य में आ सकने वाले वायरस के अन्य स्वरूपों के खिलाफ देश की सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है।

जॉनसन नीत 'कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार' ने जनवरी में अधिकतर प्रतिबंध हटा लिए थे। इंग्लैंड के अस्पतालों को छोड़कर अन्य स्थानों पर मास्क की अनिवार्यता पहले ही समाप्त की जा चुकी है।

ब्रिटेन में 12 साल और उससे अधिक आयु के 85 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है।

कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार ने कहा कि अब कोविड-19 जांच में संक्रमित पाए जाने के बाद पांच दिन तक पृथकवास में रहने की अनिवार्यता कानूनी बाध्यता नहीं होगी। सरकार पृथकवास को लेकर केवल परामर्श जारी करेगी और कोरोना वायरस को अब फ्लू की तरह समझा जाएगा।

सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मदद से नहीं खत्म होगा अफगान संकट

काबुल। अफगानिस्तान में मानवीय स्थिति विकट है। अगर जल्द ही फंड नहीं पहुंचा तो इस देश में गरीबी और बदहाली बढ़ेगी। ये चेतावनी स्वतंत्र मानवीय संगठन जिनेवा कॉल ने दी है।

टोलो न्यूज के साथ एक विशेष साक्षात्कार में संगठन के प्रमुख, एलेन डेलेट्रोज ने कहा कि सिर्फ मानवीय सहायता ही अफगानिस्तान में संकट को खत्म नहीं कर सकती है। अब तक काफी फंड दिया गया है लेकिन इससे कुछ फर्क नहीं होगा बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, एक मानवीय संगठन के रूप में हम राजनीतिक मुद्दों पर टिप्पणी करने से बचते हैं। हम लोग दाताओं से कहते रहते हैं कि अगर अफगानिस्तान में पैसा बिल्कुल नहीं रहा तो मानवीय स्थिति खराब हो जाएगी।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के हाल ही में अमेरिकी बैंकों में जमे हुए अफगान संपत्तियों को विभाजित करने के हालिया फैसले से अफगानिस्तान में आर्थिक स्थिति बिगड़ने पर चिंताएं बढ़ गई हैं।

इस बीच वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक रिपोर्ट में कहा कि 9/11 के पीड़ितों के परिवारों को 7 अरब डॉलर की अफगान संपत्ति बांटने का बाइडेन का कार्यकारी आदेश देश की गिरती अर्थव्यवस्था के लिए एक और झटका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अफगान बैंकरों और अर्थशास्त्रियों और अंतर्राष्ट्रीय सहायता कर्मियों के अनुसार, अफगान केंद्रीय बैंक के विदेशी भंडार को प्रभावी ढंग से जब्त करने के बाइडेन प्रशासन के फैसले से अफगानिस्तान के पहले से ही विनाशकारी आर्थिक संकट और गहराने की संभावना है। पिछली सरकार के पतन के बाद से अफगानिस्तान के लिए विश्व सहायता रोक दी गई और इस्लामिक अमीरात पर प्रतिबंध लगाने से देश पूरी तरह से आर्थिक पतन के कगार पर पहुंच गया।

युद्ध की आशंका के बादल के बीच यूक्रेन के सीमावर्ती इलाकों से पलायन तेज

लोगों को शरण देने के लिए रूस ने अपनी सीमा खोल दी

मास्को/कीव। यूक्रेन की सीमा पर रूस के 1.50 लाख से अधिक सैन्य जमावड़े के बीच लगातार हो रहे बम धमाके के बाद लोगों का पलायन शुरू हो गया है। यूक्रेन के दोनों सीमावर्ती इलाकों में करीब 10 लाख से अधिक लोग रहते हैं।

इन लोगों को डर है कि जंग होने पर सबसे पहले यही लोग निशाना बनेंगे। इसलिए ये लोग युद्ध शुरू होने से पहले अपनी जान बचाने के लिए पलायन करने लगे हैं।

स्थानीय करीब तीन लाख नागरिक तमाम गाड़ियों से पोलैंड सीमा की तरफ बढ़ रहे हैं। इधर, अलगाववादियों के हमले को देखते हुए रूसी कब्जे वाले इलाके में रह रहे लगभग सात लाख लोग भी घर छोड़ सुरक्षित जगहों के लिए निकल पड़े हैं। इन लोगों को शरण देने के लिए रूस ने अपनी सीमा खोल दी है।

उधर, यूक्रेन से भारी तादाद में लोगों के पलायन को देखते हुए रूस ने अपने कई इलाकों में आपातकाल की घोषणा कर दी है। हालांकि, रूस ने अपने लोगों की घर वापसी के लिए 400 सैनिक और 150 गाड़ियों की तैनाती की है। रूस ने प्रवासी लोगों को लाने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया है। रूस से समझौते के लिए म्युनिख पहुंचे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेनेस्कनी ने देशवासियों से भावुक अपील की है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन में हालात बेहतर नहीं है। उन्होंने कहा कि पुतिन से बातचीत के लिए उन्होंने हमेशा दरवाजे खुले रखे हैं। जेलेनेस्कनी ने पश्चिमी देशों से कहा है कि रूस पर तत्काल कड़े प्रतिबंध लगाए जाएं।

इस बीच अमेरिकी उप-राष्ट्रपति कमला ने रूस को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उसने यूक्रेन पर हमला किया तो उसको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लायड आस्टिन ने बाल्टिक देशों को भरोसा देते हुए कहा है कि यदि रूस से सुरक्षा खतरा पैदा होता है तो उनको अकेले नहीं पड़ने दिया जाएगा। अमेरिका का अनुमान है कि रूस ने यूक्रेन की सीमाओं पर 169,000 से 190,000 सैनिक तैनात कर रखे हैं। बताया जाता है कि इसमें अलगाववादी लड़ाके भी शामिल हैं। तनाव बढ़ता देख यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को आपातकालीन चिकित्सा सामग्री भेजी है। यही नहीं पोलैंड के पीएम ने कहा है कि वह यूक्रेन को और रक्षात्मक हथियार मुहैया कराने के लिए तैयार हैं।

कनाडाई पुलिस ने ओटावा में संसद की आसपास की सड़कों को कब्जे में लिया

ओटावा। कनाडा की राजधानी ओटावा में शनिवार को सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने संसद की आसपास की सड़कों को अपने कब्जे में ले लिया और इसी के साथ तीन हफ्तों तक चला प्रदर्शन खत्म होते दिखायी दे रहा है।

देश की कोविड-19 संबंधी पाबंदियों और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो की नीतियों से गुस्साएं प्रदर्शनकारी देश के इतिहास के सबसे बड़े पुलिस अभियान के कारण पीछे हट गए। पुलिस प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर रही है और उनके ट्रकों को हटा रही है।

ओटावा में अंतरिम पुलिस प्रमुख स्टीव बेल ने कहा कि कुछ छोटे प्रदर्शन जारी हैं लेकिन ''यह अवैध कब्जा खत्म हो गया है। हम पूरी तरह खत्म होने तक अपना अभियान जारी रखेंगे''।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने ओटावा की गलियों में ही रहने का आह्वान किया है जबकि प्रदर्शन के एक प्रमुख आयोजक ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने ''शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन वापस लेने का फैसला लिया है।''

अब बेलारूस की धमकी, तैनात कर देंगे रूसी परमाणु हथियार

मिन्स्क। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की आशंकाओं के बीच चल रही बयानबाजी में अब बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको भी कूद पड़े हैं। उन्होंने अमेरिका व अन्य नाटो देशों के कामकाज को मूर्खतापूर्ण काम करार देते हुए कहा है कि यदि विरोधी मूर्खतापूर्ण काम करने से बाज नहीं आए और खतरा पैदा करते रहे तो वह अपने देश में रूस के अत्याधुनिक परमाणु हथियारों को तैनात कर देंगे।

इससे पहले भी लुकाशेंको रूस को परमाणु हथियार तैनात करने के लिए कह चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि जरूरी हुआ और हमारे विरोधी मूर्खतापूर्ण कदम उठाते रहे, तो हम न केवल परमाणु बम बल्कि और भी दूसरे घातक परमाणु हथियार तैनात करेंगे। यह पूरी तैनाती हमारे क्षेत्र की रक्षा के लिए होगी। उन्होंने कहा कि बेलारूस और रूस के रिश्ते बहुत मजबूत हैं। यदि बेलारूस को किसी देश से खतरा नहीं होगा तो परमाणु हथियारों की जरूरत भी नहीं रहेगी।

विश्व में कोरोना संक्रमण से 58.81 लाख से अधिक लोगों की मौत

वाशिंगटन। वैश्विक कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप जारी है और इस महामारी के संक्रमण से अभी तक पूरी दुनिया में 58.81 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 42.30 करोड़ लोग इस जानलेवा वायरस के संक्रमण से प्रभावित हो चुके हैं।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 42,30,62,224 हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 58,81,387 हो गया हैं। वहीं अब तक 10.34 अरब से ज्यादा वैक्सीन को डोज दी जा चुकी है।

दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक मामलों के साथ अमेरिका शीर्ष पर है, जहां इस महामारी से अभी तक 7.84 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 9,35,057 लोग काल के गाल में समा चुके हैं। देश में अब तक 54.80 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं।

भारत इस महामारी के संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर है, देश के कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 4,28,22,473 हो गयी है। वहीं इस दौरान मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 5,11,903 हो गया है। वहीं अब तक 1.75 अरब से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

कोरोना संक्रमण के मामले में ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है, जहां अभी तक करीब 1.87 करोड़ से ज्यादा लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके है जबकि मृतकों का आंकड़ा

1,61,074 तक पहुंच गया है। वहीं अब तक 14.08 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

संक्रमण के मामले में ब्राजील चौथे स्थान पर आ गया है। देश में कोरोना वायरस की जद में अभी तक 2.81 करोड़ से अधिक लोग आ चुके है और यह वायरस अभी तक 6,44,195 लोगों की जान ले चुका है। वहीं अब तक 38.41 करोड़ से ज्यादा कोरोना टीकाकरण हो चुका है।

फ्रांस संक्रमण के मामले में पांचवें पायदान पर है। देश में अभी तक अभी तक करीब 2.23 करोड़ से ज्यादा लोग इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और महामारी से अब तक 1,37,595 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं अब तक 14.13 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

रूस ने कोरोना संक्रमण के मामले में तुर्की को पीछे छोड़ दिया है और यह छठे पायदान पर पहुंच गया है, देश में इस महामारी से 1.49 करोड से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं और अब तक 3,37,860 लोग जान गंवा चुके हैं। मृतकों के मामले में रूस चौथे स्थान पर है। वहीं अब तक 16.08 करोड़ से ज्यादा कोरोना की डोज लगायी जा चुकी है।

जर्मनी में वैश्विक महामारी से अभी तक 1.36 करोड़ से ज्यादा लोगों के प्रभावित होने से यह सातवें पायदान पर है। देश में मृतकों का आंकड़ा 1,21,280 तक पहुंच गया है। वहीं अब तक 16.89 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

तुर्की कोरोना संक्रमण के मामले में आठवें पायदान पर खिसक गया है। जहां अभी तक करीब 1.34 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और इस महामारी से 92,188 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं अब तक 14.47 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

इटली में संक्रमितों की कुल संख्या 1.24 करोड़ के पार पहुंच गयी है और यह नौवें स्थान पर है। देश में मृतकों का आंकड़ा 1,52,848 तक पहुंच गया है। वहीं अब तक 13.30 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

रूस 1945 के बाद यूरोप के सबसे बड़े युद्ध की योजना बना रहा है: ब्रिटिश प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रूस पर युद्ध के लिए उत्सुक होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह 1945 के बाद यूरोप के सबसे बड़े युद्ध की योजना बना रहा है।

बीबीसी के साथ शनिवार को हुई बातचीत में ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने रूस पर यह आरोप लगाया। बोरिस जॉनसन इस वक्त जर्मनी के म्यूनिख में वैविश्क नेताओं की बैठक में हिस्सा लेने के लिए गये हुए हैं।

बोरिस जॉनसन ने कहा कि जो संकेत दिख रहे हैं, उनसे तो यही पता चलता है कि रूस ने योजना पर अमल करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि गोपनीय जानकारियों के अनुसार रूस हमला करके यूक्रेन की राजधानी कीव को घेरना चाहता है।

उन्होंने कहा, मुझे इस बात का भय है कि जिस प्रकार की योजना हमें दिख रही है, वह आकार के हिसाब से 1945 के बाद यूरोप के सबसे बड़े युद्ध की हो सकती है। लोगों को यह समझने की जरूरत है कि इस युद्ध से कितने लोगों की जान जायेगी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी कि ब्रिटेन रूस के खिलाफ और सख्त प्रतिबंध लगा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन और अमेरिका मिलकर रूस की कंपनियों को डॉलर और पाउंड में कारोबार करने से रोक देंगी और इसका काफी प्रभाव पड़ेगा। अमेरिकी सरकार के ताजा आंकलन के मुताबिक यूक्रेन की सीमा से लगे रूस के इलाके और पड़ोसी बेलारूस में 1,69,000 से 1,90,000 सैनिक तैनात हैं। हालांकि, इस आंकड़े में पूर्वी यूक्रेन के विद्रोही भी शामिल हैं। बोरिस जॉनसन के अनुसार रूस किसी भी वक्त यूक्रेन पर हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पश्चिमी देशों के प्रमुखों को यह बताया कि उन्हें मिलीं गोपनीय सूचनायें इस ओर इशारा करती हैं कि रूस सिर्फ डोनबास की ओर यूक्रेन में घुसने की योजना नहीं बना रहा बल्कि वह बेलारूस और कीव के आसपास से भी घुसने की योजना बना रहा है।

आखिरी अफगान शरणार्थियों का समूह न्यू जर्सी से रवाना

वाशिंगटन। अमेरिका के आठ सैन्य प्रतिष्ठानों में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हजारों अफगान शरणार्थियों में से शरणार्थियों का आखिरी समूह शनिवार को न्यू जर्सी के एक सैन्य प्रतिष्ठान से रवाना हो गया और इसी के साथ ही अगस्त में काबुल से लोगों को निकालने के साथ शुरु हुआ यह सफर खत्म हो गया है।

शरणार्थी पुनर्वास संगठनों की मदद से अफगान लोगों ने हाल के महीनों में सैन्य अड्डों से धीरे-धीरे जाना शुरू कर दिया था और वे अमेरिका में नयी जिंदगियों की शुरुआत कर रहे हैं। तालिबान के काबुल पर कब्जा जमाने के बाद अफगान नागरिकों ने देश छोड़ना शुरू कर दिया था।

अमेरिका ने 'ऑपरेशन एलीज वेलकम' के तौर पर 76,000 अफगान लोगों को स्वीकार किया, जो दशकों में देश में सबसे बड़ी संख्या में शरणार्थियों का पुनर्वास है।

इस कवायद में भाग ले रहे नौ राष्ट्रीय पुनर्वास संगठनों में से एक 'लुथरन इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी सर्विस' के सीईओ और अध्यक्ष कृष ओ'मारा विग्नराजा ने कहा, ''ऑपरेशन एलीज वेलकम में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है।''

उन्होंने कहा कि अफगान अब भी अपने देश में तालिबान शासन के तहत खतरे का सामना कर रहे हैं और साथ ही जो लोग अमेरिका में आए हैं, उन्हें अब भी मदद की आवश्यकता होगी। आंतरिक सुरक्षा विभाग ने बताया कि अमेरिका की अगले साल तक हजारों अफगान शरणार्थियों को शरण देने की योजना है लेकिन वे छोटे-छोटे समूहों में आएंगे और उन्हें एक स्थान पर ठहराया जाएगा, जो अभी तय नहीं किया गया है।

कनाडा में विरोध प्रदर्शन थमा, स्थिति अब नियंत्रण में

टोरंटो। कनाडा में संसद के आसपास के ज्यादातर इलाकों में अब स्थिति नियंत्रण में हैं।

ओटावा में जुटे ज्यादातर प्रदर्शनकारियों को पुलिसकर्मियों ने खदेड़ दिया है और ट्रकों के लगातार बज रहे हॉर्न अब शांत हो चुके हैं। इस विरोध प्रदर्शन के कारण अमेरिका-कनाडा सीमा की कुछ चौकियों समेत राजधानी के प्रमुख हिस्सों को भी हफ्तों तक बंद करना पड़ा था।

पहले यह विरोध प्रदर्शन सीमा पार के ट्रक चालकों के लिए अनिवार्य टीकाकरण के आदेश के खिलाफ था। लेकिन बाद में यह कोविड प्रतिबंधों और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के विरोध पर केंद्रित हो गया।

संसद के आसपास की सड़कों पर पुलिस के नियंत्रण के बाद हैमिल्टन में ओंटारियो के 33 वर्षीय एक प्रदर्शनकारी मार्क सूटर ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने यहां कुछ शुरू किया है।'' उनका मानना है कि विरोध प्रदर्शन देश को विभाजित करेगा।

उन्होंने कहा, ''यह हमारे देश में एक बहुत बड़ा विभाजन करने जा रहा है, मुझे नहीं लगता है कि यह अंत है।''

इस बीच ज्यादातर विश्लेषकों को संदेह है कि यह विरोध प्रदर्शन कनाडा की राजनीति पर कोई ऐतिहासिक असर छोड़ेगा, लेकिन इसने कनाडा के दो प्रमुख दलों को झकझोर कर रख दिया है।

टोरंटो विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर नेल्सन वाइसमैन ने कहा, ''विरोध ने उदारवादियों और रूढ़िवादियों दोनों की साख को नुकसान पहुंचाया है।''प्रदर्शनकारियों को राजधानी में हफ्तों तक अराजकता फैलाने की अनुमति देने के लिहाज से ट्रूडो का उदारवादी रवैया लोगों को खराब लग रहा है।

मॉन्ट्रियल में मैकगिल विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डैनियल बेलैंड ने कहा, ''दक्षिण पंथियों को सावधान रहना होगा कि वे अधिक उदार मतदाताओं को अलग-थलग न करें, जो आमतौर पर प्रदर्शनकारियों या दक्षिणपंथी लोकप्रियतावाद के प्रति सहानुभूति नहीं रखते हैं।''

प्रदर्शनकारियों के अंतिम बड़े केंद्र ओटावा में शनिवार शाम तक विरोध खत्म होता दिखा, लेकिन कुछ प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि वे फिर से समूह बनाने में जुटे हैं।

चुनाव से पहले भाजपा का बड़ा दांव

16346 सफाईकर्मियों को नियमित करेगी एमसीडी

आनंद राय

नई दिल्ली। एमसीडी चुनाव की तरफ बढ़ रही दिल्ली में संविदा कर्मियों को नियमित करने की घोषणा शुरू हो गई है। पिछले दिनों दिल्ली सरकार ने जलबोर्ड कर्मियों को नियमित कर सौगात दी तो अब भाजपा शासित एमसीडी के 16,346 सफाईकर्मियों को नियमित करने का आश्वासन मिला है। भाजपा ने तीनों एमसीडी कर्मियों को जल्द ही नियुक्ति पत्र भी देने का एलान किया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी अपने सफाईकर्मियों को बड़ी सौगात देने जा रही है। तीनों एमसीडी ने यह फैसला किया है कि वह आने वाले समय में 16,346 सफाईकर्मियों को नियमित करेंगी। एक कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा जाएगा।

मेहनती निगमकर्मियों का जीवन सुगम बनाने के लिए कटिबद्ध है एमसीडी

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को साफ रखने में सबसे बड़ा योगदान सफाईकर्मियों का होता है और भाजपा हमेशा से ही सफाईकर्मियों के स्वास्थ्य एवं उनकी जीवनशैली का विशेष ध्यान रखती है। यही कारण है कि एमसीडी हमारे मेहनती निगमकर्मियों का जीवन सुगम बनाने के लिए कटिबद्ध है। उत्तरी दिल्ली एमसीडी मेयर सरदार राजा इकबाल सिंह, पूर्वी दिल्ली एमसीडी के मेयर श्याम सुंदर अग्रवाल, दक्षिणी दिल्ली एमसीडी स्थायी समिति अध्यक्ष बीके ओबरॉय की उपस्थिति में आदेश गुप्ता ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार ने एमसीडी को फंड नहीं दिया तो उस समय भी सफाईकर्मियों की चिंता की गई और आज यह बेहद खुशी की बात है कि तीनों एमसीडी ने सफाईकर्मियों को नियमित करने का काम शुरु भी कर दिया है।

क्या है योजना

उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा 975 सफाईकर्मियों को नियमित किया जा चुका है जबकि 6646 सफाईकर्मियों को नियमित करने वाला है। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम द्वारा 400 सफाईकर्मी नियमित हो चुके हैं जबकि 1489 सफाईकर्मियों को नियमित किया जाना बाकी है। वहीं पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा 5136 सफाईकर्मियों को नियमित किया गया जबकि 1700 सफाईकर्मी नियमित किए जाने बाकी हैं।

नर्सरी एडमिशन की दूसरी लिस्ट जारी

रवि शंकर तिवारी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में नर्सरी दाखिला के लिए परेशान लोगों के लिए बड़ी खबर है। दिल्ली में नर्सरी दाखिले की प्रक्रिया के तहत सोमवार को दूसरी मेरिट लिस्ट जारी हो गई है। ऐसे में उन अभिभावकों की नजर सोमवार की लिस्ट पर है, जिन बच्चों का नाम पहली सूची में नहीं आया था। दूसरी लिस्ट में नाम आया या नहीं, इसकी जानकारी शिक्षा निदेशालय की आधिकारिक साइट edudel.nic.in पर ले सकते हैं।

बता दें कि दिल्ली नर्सरी दाखिले की पहली सूची को 4 फरवरी को जारी कई गई थी, जिसके तहत दाखिला प्रक्रिया 12 फरवरी तक चली थी। इसके बाद सोवार को बची हुई सीटों के लिए स्कूलों द्वारा दूसरी सूची जारी की जाएगी। नर्सरी दाखिले के लिए सोमवार को दूसरी सूची जारी होने के बाद इसके तहत आगामी 22 फरवरी यानी मंगलवार से लेकर 28 फरवरी तक दाखिले की प्रक्रिया चलेगी। पहली सूची के तहत चयनित छात्रों की दाखिला प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी स्कूलों में 25 से 30 प्रतिशत सीटें खाली रह गई हैं। इसके लिए स्कूलों द्वारा सोमवार को दूसरी सूची जारी की गई है। अपने बच्चों को नाम लिस्ट में देखने के लिए शिक्षा निदेशालय की आधिकारिक साइट edudel.nic.in पर जाना होगा। इसका एक विकल्प यह भी है कि आप संबंधित स्कूलों की वेबसाइट पर भी यह जानकारी देख सकते हैं। लिस्ट देखने की कड़ी में सबसे पहले होम पेज पर उपलब्ध एडमिशन लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद एक नया पेज खुल जाएगा, जहां योग्य उम्मीदवार उपलब्ध नर्सरी, केजी और प्रथम दूसरी सूची लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद वार्ड का नाम चेक करें और फिर पेज डाउनलोड कर लें।

गौरतलब है कि नर्सरी के साथ-साथ केजी और प्रथम कक्षा में दाखिले की प्रक्रिया जारी है और इस प्रक्रिया के जरिए 1,800 से अधिक स्कूलों में नर्सरी दाखिले किए जाने हैं। नियमानुसार, दूसरी सूची जारी होने के बाद भी अगर स्कूलों में सीटें बच जाती हैं, तो तीसरी सूची जारी होगी। तीसरी मेरिट लिस्ट के लिए 16 मार्च से एडमिशन शुरू होंगे, जबकि 31 मार्च तक नर्सरी एडमिशन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। बता दें कि प्री-स्कूल, प्री-प्राइमरी और प्रथम कक्षा स्तर पर प्रवेश देने वाले सभी निजी स्कूल में ईडब्ल्यूएस / डीजी श्रेणी के छात्रों और विकलांग बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं।

आइआइटी दिल्ली ने विकसित की अल्जाइमर व एन्सेफेलाइटिस की दवा, पेटेंट भी कराया

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली के शोधकर्ताओं ने रसायन और भौतिकी की मिश्रित तकनीक से अल्जाइमर और एन्सेफेलाइटिस (जापानीज एन्सेफेलाइटिस वायरस) जैसे गंभीर रोगों की दवाएं विकसित करने में सफलता हासिल की है। इन दवाओं का क्लीनिकल ट्रायल किया जाना अभी शेष है, लेकिन दवाएं विकसित करने की यह तकनीक भविष्य में कई अन्य रोगों के लिए दवाएं तैयार करने में भी लाभदायक साबित हो सकती है। शोधकर्ताओं ने एन्सेफेलाइटिस रोग के इलाज के लिए इस तकनीक से विकसित दवा का पेटेंट भी हासिल कर लिया है।

आइआइटी दिल्ली के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. वी. हरिदास ने बताया कि वर्तमान में किसी रोग की दवा विकसित करने के लिए उस रोग के विषाणु से संबंधित प्रोटीन को लक्ष्य बनाकर कंप्यूटर की मदद से तर्कसंगत दवा की खोज की जाती है, जिसमें काफी समय लगता है। वहीं, आइआइटी में कार्बनिक रसायन शास्त्र और जैव भौतिकी प्रौद्योगिकी के उपकरणों का उपयोग कर नई तकनीक विकसित की गई है। इसके जरिये मानव शरीर में मौजूद बड़े आकार के अणुओं की नकल करते हुए छोटे आकार के अणु विकसित किए गए जो रोगों के विषाणुओं से संबंधित प्रोटीन से जुड़कर उन्हें नष्ट कर देते हैं।

प्रो. हरिदास का कहना है कि एक शिक्षण संस्थान होने के कारण आइआइटी में इस तकनीक से विकसित किए गए दवा के अणु का क्लीनिकल ट्रायल नहीं हो सकता है। इसके क्लीनिकल ट्रायल के लिए सरकार व दवा कंपनियों से संपर्क किया जाएगा। पहले पशुओं और फिर मानव पर ट्रायल होगा, जिसके सफल रहने पर यह दवा बाजार में उतारी जा सकेगी। उन्होंने बताया कि दवा विकसित करना हालांकि उतना अहम नहीं है, जितना कि दवा को इस नई तकनीक से विकसित करना है। इसमें अब तक इस्तेमाल की जा रही तकनीक के मुकाबले समय भी कम लगेगा।

'मैरिटल रेप' पर फैसला सुरक्षित: दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय पर टिकीं सबकी नजर

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध घोषित करने के मामले में पक्ष रखने के लिए बार फिर समय मांगने पर केंद्र सरकार के रवैये पर नाराजगी जताई है। अदालत ने केंद्र को समय प्रदान करने से इनकार करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

न्यायमूर्ति राजीव शकधर और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ के समक्ष केंद्र ने तर्क रखा कि उसने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मुद्दे पर उनकी टिप्पणी के लिए पत्र भेजा है। केंद्र के अधिवक्ता ने कहा कि जब तक इनपुट प्राप्त नहीं हो जाते, तब तक कार्यवाही स्थगित कर दी जाए।

मामले को स्थगित करना संभव नहीं

पीठ ने उनके तर्क पर असहमति जताते हुए कहा चल रहे मामले को स्थगित करना संभव नहीं है क्योंकि इस मुद्दे पर केंद्र का परामर्श कब तक समाप्त होगा इसकी कोई अंतिम तिथि नहीं है। पीठ ने सुनवाई 2 मार्च तक बंद करते हुए केंद्र सहित सभी पक्षों को अपनी लिखित दलीलें पेश करने को कहा है। इससे पहले केंद्र सरकार की और से पेश अतिरिक्त सालीसीटर जनरल तुषार मेहता ने मामले में हमारा सुविचारित स्टैंड है कि राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श के बाद ही एक स्टैंड लिया जाएगा। 10 फरवरी को एक संचार राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों को उनके सुझाव मांगने के लिए भेजा गया है।

परामर्श के बाद ही अपना पक्ष रख पाएंगे

पीठ के पूछने पर उन्होंने कहा अभी तक किसी राज्य सरकार से संचार पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। एसजी मेहता ने भी तर्क दिया आम तौर पर जब एक विधायी अधिनियम को चुनौती दी जाती है तो हमने एक स्टैंड लिया। लेकिन वे वाणिज्यिक या कराधान कानून हैं। ऐसे बहुत कम मामले होते हैं जब इस तरह के व्यापक परिणाम मिलते हैं, इसलिए हमारा स्टैंड है कि हम परामर्श के बाद ही अपना पक्ष रख पाएंगे।

याचिकाओं पर पक्ष रखने के लिए दिया था दो सप्ताह का समय

अदालत भारतीय दुष्कर्म कानून के तहत पतियों को दी गई छूट को खत्म करने की मांग वाली याचिकाओं पर विचार कर रही है। उच्च न्यायालय ने सात फरवरी को केंद्र को वैवाहिक दुष्कर्म के अपराधीकरण की मांग वाली याचिकाओं पर अपना पक्ष रखने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था। केंद्र ने एक हलफनामा दायर कर अदालत से याचिकाओं पर सुनवाई टालने का आग्रह किया था, जिसमें कहा गया था कि वैवाहिक दुष्कर्म का अपराधीकरण देश में बहुत दूर तक सामाजिक-कानूनी प्रभाव डालता है और राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ एक सार्थक परामर्श प्रक्रिया की आवश्यकता है।

सुरक्षा बलों के लिए स्मार्ट सुरक्षात्मक परिधान तैयार करने के लिए आइआइटी दिल्ली और टीसीएल में करार

नई दिल्ली। भारतीय सुरक्षा बलों के लिए स्मार्ट सुरक्षात्मक परिधान विकसित करने के लिए कानपुर स्थित टूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल) और आइआइटी दिल्ली के बीच करार हुआ है। आईआईटी दिल्ली के अनुसंधान एवं विकास विभाग के डीन प्रो सुनील कुमार खरे ने कहा कि टीसीएल के साथ हुए इस करार के माध्यम से अपने सुरक्षा बलों को सहयोग करने पर हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि इस करार के तहत टीसीएल और आईआईटी दिल्ली सियाचिन ग्लेशियर जैसे हाई एल्टीट्यूड वाले क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए बैलिस्टिक हथियारों से सुरक्षा प्रदान करने वाले कपड़े और सेंसर फिटेड कपड़ों के अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। वहीं, टीसीएल के सीएमडी एसके सिन्हा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत आइआइटी दिल्ली के साथ यह करार देश की सेनाओं को सशक्त और आधुनिक बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि टीसीएल की कुल चार फैक्टरी है जो कि कानपुर, शाहजहांपुर, चेन्नई और हजरतपुर में स्थित है।

400 कोरोना वॉरियर्स को किया गया सम्मानित

वॉरियर्स के समर्पण और कर्मठता को देखकर अभिभूत हूं: शुक्ल

नई दिल्ली। कोरोना काल में अपनी जान की बाजी लगाकर लोगों की सहायता करने वाले कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में पश्चिमी दिल्ली के मोहन गार्डन स्थित कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कमल मॉडल स्कूल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में 400 के करीब कोरोना वॉरियर्स को सम्मानित किया गया। इनमें करीब 250 सिविल डिफेंसकर्मी, डॉक्टर, नर्स, पुलिस, कर्मचारी, टीचर और पत्रकार समेत 400 लोग शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. विनोद बब्बर ने किया। वहीं, कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए प्रसिद्ध शिक्षाविद, राष्ट्र किंकर के अध्यक्ष एवं ओरछा के राजा की रामलीला के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वीपी टंडन ने बताया कि इस दौरान दो अलग-अलग कार्यक्रम किए गए, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संस्कृत के प्रचार-प्रसार में अहम योगदान निभाने वाले पद्मश्री डॉ. रमाकांत शुक्ल उपस्थित रहे। वहीं, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के उप रजिस्ट्रार (विधि) ओ पी व्यास और राष्ट्रपति अवॉर्डी दिल्ली फायर सर्विस के डिप्टी चीफ धर्मपाल भारद्वाज सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा निर्भया की मां आशा सिंह, अरुण कुमार झा, अजीत गौर, डॉ. वीरेंद्र गर्ग, बलराम गुप्ता के अलावा अन्य गणमान्य मौजूद रहे। इस अवसर पर कोरोना वॉरियर्स के जज्बा और साहस को सलाम करते हुए डॉ. रमाकांत शुक्ल ने कहा कि कोरोना को नियंत्रित रखने और इसकी सभी लहरों को रोकने में इन कोरोना वॉरियर्स का सबसे बड़ा हाथ रहा। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों में पीड़ित व्यक्ति की मदद को सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। कोरोना की आपदा सदियों में आया भयानक संकट है। ऐसे में पीड़ित मानवता की सेवा के लिए अपनी जान को खतरे में डालते हुए आगे आए वॉरियर्स के समर्पण और कर्मठता को देखकर मैं अभिभूत हूं।

यूथ कांग्रेस आरटीआई सेल का चेयरमैन नियुक्त

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री निवास में राजस्थान के डॉ. अनिल कुमार कुमार मीणा को भारतीय युवा कांग्रेस में आरटीआई डिपार्टमेंट का राष्ट्रीय चेयरमैन की जिम्मेदारी सौंपी है। बताया जाता है कि डॉ. अनिल कुमार मीना को यह जिम्मेदारी संगठन के प्रति उनकी निष्ठा समर्पण एवं कठिन परिश्रम से प्रभावित होकर राहुल गांधी, श्रीनिवास एवं राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने जिम्मेदारी सौंपी है। सूचना अधिकार अधिनियम 2005 जिसे कांग्रेस पार्टी लेकर आई थी। देश के लोगों के द्वारा चुनी हुई सरकार से सरकारी नीतियों एवं योजनाओं पर हुए खर्च की जानकारी जानने का अधिकार देती है। कांग्रेस पार्टी ने डॉ. अनिल कुमार मीणा को सरकार के द्वारा की गई लापरवाही एवं अनियमितताओं का पर्दाफाश करने के लिए राष्ट्रीय चेयरमैन की जिम्मेदारी दी है। बताया जाता है कि डॉ. अनिल कुमार की राजनीतिक शुरुआत एसएनकेपी कॉलेज नीमकाथाना सीकर जिले राजस्थान से हुई थी। नयावास गांव से फिर वह जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी दिल्ली में एनएसयूआई की तरफ से महासचिव के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा, लंबे समय तक जेएनयू एनएसयूआई यूनिट के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष रहे। 2017 में डॉ. अनिल कुमार मीणा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए राहुल गांधी जी के पास भेजा। 2019 में भारतीय युवा कांग्रेस सोशल मीडिया के राष्ट्रीय प्रभारी वैभव वालिया ने उन्हें दिल्ली प्रदेश सोशल मीडिया के कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी। 2020 में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास ने डॉ. अनिल मीणा को दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस रिसर्च विभाग का प्रभारी बनाया। राष्ट्रीय चेयरमैन बनाए जाने पर देश भर से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की शुभकामनाओं का ताता लगा हुआ है।

सखी संवाद समूह ने मनाया कथा उत्सव

नई दिल्ली। कथायें सामाजिक संस्कृति का दर्पण होती हैं। कथायें संस्कारों की पाठशाला होती हैं। कथायें संवेदना को समृद्ध करती है।सखी संवाद समूह ने कथा उत्सव आयोजित किया।साखियों ने पीले बसंती वस्त्रों में सज्जित होकर मनोरंजक, प्रेरणादायक कथाओं को सुनाया। कार्यक्रम का संयोजन अलका श्रीवास्तव ने और संचालन डॉमुक्ता सिकरवार ने किया।रश्मि कुशवाहा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

कुंदा जोगलेकर ने हैसियत शीर्षक की कथा में बताया कि किस तरह पालक बच्चे के लिए अपना सब कुछ लुटा देतें हैं पर उन्हें प्रतिफल नही मिलता।

डॉ मुक्ता सिकरवार की कहानी मायके का घी में बताया कि अगर व्यवहार में परिवर्तन किया जाए तो संबंध मधुर बने रह सकते है।

मीरा तोमर ने कहानी नज़रिया में कहा किहम लोग कमी , दुख के बारे में ज़्यादा सोचते हैं। हमें सकारात्मक सोच रखना चाहिए।

पुष्पा मिश्रा ने पालकों को सलाह दी कि वे बच्चों में हींन भावना न आने दे । बच्चों में आत्मविश्वास जगाये।

पुष्पा शर्मा की कथा ने बच्चों को सलाह दी कि पालकों की उम्मीदों को पूरा करने कीकोशिश करनी चाहिये।कुसुमलता शर्मा की कहानी प्रतिफल ने समझाया कि हमारे कर्म ईश्वर देखता है और उसका प्रतिफल ज़रूर मिलता है।

व्याप्ति उमदेकर ने कथा में बताया कि शांति मन के अंदर होती है इसे बाहर खोजना व्यर्थ है।

किरण शाह ने एक कन्या का प्रतीक लेकर कथा की कथा सुनाई।मीरा जैन ने नया विवाह कहानी में परिवर्तन की महत्ता बतलायी।नीलम गुप्ता ने धर्म नामक कथामें एक गरीब को ज़रूरत से ज़्यादा संग्रह न करने का धर्म निभाते दिखाया।उषा सिकरवार ने परोपकार ही परमार्थ कथा कही।कादम्बरी आर्य ने हास्यकथा मैं औरमेरी ईमानदारी में बताया कि कैसे बेईमान लोग अपनी करनी पर शर्मिंदा होनेकी बजाय तर्क करते हैं।उमा कंप्यूवाले,अर्चना बामन गया ने रोचक कथाएँ प्रस्तुत की।

कुंदा जोगलेकर एवम अल्का श्रीवास्तव प्रथम स्थान पर रही।

मुक्ता और मीरा तोमर दूसरे स्थान पर रही।

पुष्पा मिश्रा एवं कुसुम जी तृतीय स्थान पर रही ।

प्रतिबंध की अवधि दो माह और बढ़ी

हवाई अड्डा और उसके आस पास लेजर बीम लाइट और ड्रोन पर रोक

नई दिल्ली।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) और उसके आसपास के इलाके में लेजर बीम लाइट व ड्रोन के इस्तेमाल पर लगी रोक को दो महीने के लिए और आगे बढ़ा दिया गया है। एयरपोर्ट पुलिस उपायुक्त संजय त्यागी ने बताया कि इन पर पहले से रोक लगी हुई है। इसे दो माह के लिए बढ़ दिया गया है। लेजर लाइटें काफी खतरनाक है। इसकी रोशनी से विमान चालक को काफी परेशानी होती है। इससे विमान दिशा भटक सकता है।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि आईजीआई हवाई अड्डे के के आस पास बड़ी संख्या में फार्म हाउस हैं। यहां अकसर पार्टियों और शादी समारोह के दौरान लेजर लाइट का प्रयोग होता था। विमान संचालन में परेशानी को देखते हुए पुलिस ने यह निर्देश जारी किया है।

30 लाख मेट्रो यात्रियों को मिलेगी खुशखबरी, दिल्ली सरकार की पहल का इंतजार

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में आइटी सेक्टर को छोड़कर तकरीबन दफ्तरों में सुचारु रूप से काम होने लगा है। लोग अब रोजाना दफ्तरों में काम के लिए जाने लगे हैं। ऐसे में सबसे बड़ी दिक्कत आवाजाही में हो रही है। दिल्ली-एनसीआर की लाइफलाइन कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो का परिचालन सामान्य रूप से नहीं होने से लोगों को अधिक दिक्कत हो रही है। मेट्रो यात्रियों को कहना है कि दिल्ली सरकार को पहल कर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक बुलाई जानी चाहिए, जिसमें दिल्ली मेट्रो को पूरी क्षमता के साथ संचालित करने का निर्णय हो।

पीक आवर में दिल्ली मेट्रो में जबरदस्त भीड़ होने लगी है। सुबह और शाम को भीड़ इस कदर बढ़ जाती है कि कोरोना प्रोटोकाल भी कायम नहीं रह पाता है। कहा जा रहा है कि दिल्ली और एनसीआर के शहरों में सभी तरह के दफ्तरों के खुलने के बाद फिलहाल प्रतिदिन करीब करीब 15 लाख यात्री सफर कर रहे हैं। ऐसे में सुबह और शाम को मेट्रो में जबरदस्त भीड़ होने लगी है।

पीक आवर में यात्रियों की भारी संख्या के चलते मेट्रो प्रशासन को भी दिक्कत आ रही है। दरअसल. कोविड-19 की स्थिति में सुधार तो हुआ है, लेकिन दिल्ली मेट्रो फिलहाल पूर्ण क्षमता के साथ नहीं दौड़ रही है। फिलहाल सभी सीटों पर बैठकर लोग यात्रा कर सकते हैं, लेकिन खड़े होकर यात्रा करने पर अब भी पाबंदी है। ऐसे में लोगों को दिक्कत आ रही है। लोगों को अपना सफर तय करने में अधिक समय लग रहा है।

सूत्रों ने पूर्व में बताया था कि प्रत्येक डिब्बे में 50 लोग ही यात्रा कर सकते हैं। इससे पहले एक डिब्बे में 300 लोग यात्रा करते थे, 50 सीट पर बैठकर और 250 लोग खड़े होकर यात्रा करते थे। डीएमआरसी ने लोगों से आवश्यक होने पर ही यात्रा करने की अपील की है. डीएमआरसी के तहत 10 लाइन में 242 स्टेशन हैं और गुड़गांव में रैपिड मेट्रो सहित कुल 264 स्टेशन हैं।

मेट्रो सेवाएं आमतौर पर 5:30 बजे से शाम 11:30 बजे शुरू होती हैं। कोरोना से अलग अगर दिल्ली मेट्रो के समय की बात करें तो, मेट्रो ट्रैन अपने अधिकतर रूटों पर सुबह 5 बजकर 45 मिनिट पर शुरू हो जाती है। मेट्रो रेल में उड़न दस्तों को कोविड-19 नियमों का अनुपालन कराने के लिए तैनात किया गया है, कोरोना प्रोटोकाल का उल्लंघन करने वालों पर 200 रुपये का जुर्माना करते हैं।

अदालत का फैसला: बेटे की परवरिश के लिए पति की संपत्ति बेच सकेगी मां, पर देना होगा ये सब हिसाब

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने एक मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि नाबालिग बच्चे की परवरिश के लिए मां अपने पति की पैतृक संपति बेच सकती है। लेकिन महिला को बेची गई संपत्ति से मिली रकम का पूरा हिसाब देना होगा। साथ ही

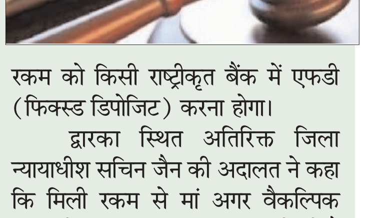

रकम को किसी राष्ट्रीकृत बैंक में एफडी (फिक्स्ड डिपोजिट) करना होगा।

द्वारका स्थित अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सचिन जैन की अदालत ने कहा कि मिली रकम से मां अगर वैकल्पिक रिहायशी या व्यावसायिक जगह खरीदती है तो इसकी जानकारी अदालत को देनी होगी। बच्चे के बालिग होने तक पैतृक संपति से प्राप्त राशि खर्च का हिसाब भी देना होगा। महिला ने कहा कि उसका बच्चा 12 साल का है। 2003 में उसके पिता की मौत हो गई थी। बच्चे की परवरिश के लिए पैतृक संपति के अलावा कमाई का कोई और जरिया नहीं है।

सम्पादकीय

मातृभाषा संस्कृति की परिचायक

भूपेंद्र कुमार सुल्लेरे

किसी भी राष्ट्र,समाज की स्थानीय भाषा (मातृभाषा) उस समाज के संस्कृति की परिचायक ही नहीं बल्कि आर्थिक संपन्नता का आधार भी होती है। मातृभाषा का नष्ट होना राष्ट्र की प्रासंगिकता का नष्ट होना होता है। मातृभाषा को जब अर्थव्यवस्था की दृष्टि से समझने की कोशिश करते हैं तो यह अधिक प्रासंगिक और समय सापेक्ष मालूम पड़ता है। किसी भी समाज की संस्कृति समाज के खानपान और पहनावे से परिभाषित होती है, यही खानपान और पहनावा जब अर्थव्यवस्था का रूप ले लेता है तो यह ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना

उत्प्रेरित भी करती है। मातृभाषा ही किसी भी व्यक्ति के शब्द और संप्रेषण कौशल की उद्गम होती है। एक कुशल संप्रेषक अपनी मातृभाषा के प्रति उतना ही संवेदनशील होगा जितना विषय-वस्तु के प्रति। मातृभाषा व्यक्ति के संस्कारों की परिचायक है। मातृभाषा से इतर राष्ट्र के संस्कृति की संकल्पना अपूर्ण है। मातृभाषा मानव की चेतना के साथ-साथ लोकचेतना और मानवता के विकास का भी अभिलेखागार होती है।

शब्दों के अस्मिता की पड़ताल के दौरान लोक के अभिलेखागार को देखा जा सकता है। कबीर ने लिखा 'चलती चक्की देख कर, दिया कबीरा रोए, दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोए'; यहां कबीर का यह दोहा अभिलेखागार है उस लोक का जहां चक्की का अस्तित्व था। अर्थात अब घरों में चक्की भले न मिले लेकिन उसका अनुभव भाषा के माध्यम से मिल जाएगा। भाषा ही हमें बता रही होती है कि कभी हमारे घरों में चक्की हुआ करती थी जिससे अनाज पिसा जाता था।

हम लोग अपनी प्रकृति से सीखते गए, उसको अभिव्यक्ति करते गए, उसको संप्रेषित करते गए क्योंकि हमको पता था कि अपने आने वाली पीढ़ियों को अपने अनुभव देना आवश्यक है। हम द्वार पर पानी दवारते हैं, दवारना शब्द को जायसी अपनी रचना में इस्तेमाल करते हुए 'दवंगरा' कहते हैं। पहली वर्षा को भी 'दवंगरा' कहा जाता है। इस प्रकार यह सब उस समय की लोक चेतना को प्रदर्शित करता है।

आज डिफेंस और डिजास्टर के समझ को लेकर जनजातियों की प्रासंगिकता उनकी मातृभाषा के कारण ही है। अंडमान निकोबार के जारवा जनजाति की अपनी डिजास्टर संचार व्यवस्था रही होगी क्योंकि सुनामी तो हजार सालों में एक बार आती होगी लेकिन उनकी अपनी मातृभाषा के कारण संचार व्यवस्था संरक्षित रही। यहां अगर उनकी मातृभाषा बदल दी गई होती तो उनका ज्ञान भी मिट गया होता। यही कारण है कि डिजास्टर मैनेजमेंट का 'लाइफ फ्लेम वन 2016' स्थानीय ज्ञान के महत्व की बात करता है, जो स्थानीय भाषा से ही संभव है।

विचार कीजिए कि अगर अमेरिका गया भारतवासी अपने किचन में अपनी भाषा प्रयोग में लाता तो उसका पोहा भी प्रयोग में आता है और जब पोहा प्रयोग में आता तो उसको बनाने वाले कारीगर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से बुलाते जाते, उन्हें रोजगार मिलता, रोजगार मिलने से वह संपन्न होते और कारीगर संपन्न होते तो देश और समाज भी संपन्न होता।

भाषा का जटिल और आसान होना उसके प्रयोग पर निर्भर करता है। जिन घरों में माता जी और पिता जी के स्थान पर मॉम और डैड जैसे शब्द प्रयोग हो रहे हैं वहां माताजी और पिताजी ज्यादा कठिन प्रतीत होने लगता है। यह भाषा के प्रयोग और परिणाम का स्पष्ट संकेत है। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने लिखा है-'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटन न हिय के सूल'।

अर्थात मातृभाषा के बिना किसी भी प्रकार की उन्नति संभव नहीं है। भारतेंदु जब यह कविता लिख रहे हैं तो वह सिर्फ कवि नहीं बल्कि नवजागरण के चिंतक भी हैं। नवजागरण मतलब समाज को नए तरीके से जगाने की प्रक्रिया। भारतेंदु उस समय के भारत को जगाने का प्रयास कर रहे थे, जो सोया हुआ था। देश को जगाने की चिंता में उनको 'निज भाषा की', मातृभाषा की चिंता हो रही थी क्योंकि मातृभाषा ही उनकी अस्मिता है, उनके पूर्वजों का अनुभव है। इसलिए राष्ट्र का निर्माण बिना मातृभाषा के संभव नहीं हो सकता।

भारतीय नवजागरण की चिंता में भाषा की चिंता पहली चिंता थी। यह चिंता केवल भारतेंदु की नहीं थी बल्कि राजा राममोहन राय, महात्मा गांधी, तिलक और दयानंद सरस्वती की भी थी। दयानंद सरस्वती के सत्यार्थ प्रकाश का 10वां नियम ही 'हिंदी भाषा को बढ़ावा दिया जाए' पर आधारित है। जिस भी देश में नवजागरण का आह्वान किया गया है उस देश में भाषा के संरक्षण की बात कही गई है। बिना मातृभाषा के आप अपने अनुभव को, अपनी अस्मिता को सुरक्षित नहीं कर सकते।

अतः मातृभाषा के महत्व को इस रूप में समझ सकते हैं कि अगर हमको पालने वाली, 'माँ' होती है; तो हमारी भाषा भी हमारी माँ है। हमको पालने का कार्य हमारी मातृभाषा करती है इसलिए इसे 'मां' और 'मातृभूमि' के बराबर दर्जा दिया गया है।

तेजस :लाइक ए डायमंड इन द स्काई

योगेश कुमार गोयल

15 से 18 फरवरी तक आयोजित सिंगापुर एयर शो के पहले ही दिन स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान एलसीए तेजस ने लो-लेवल एयरोबैटिक्स डिस्प्ले में हिस्सा लेकर सिंगापुर के आसमान में गर्जना करते हुए अपनी कलाबाजियों से न सिर्फ तमाम लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया बल्कि अपने पराक्रम और मारक क्षमता की पूरी दुनिया के समक्ष अद्भुत मिसाल भी पेश की। सिंगापुर के आसमान में कलाबाजियां करते तेजस की तस्वीरें भारतीय वायुसेना द्वारा 'लाइक ए डायमंड इन द स्काई' लिखकर ट्वीट की गई। गौरतलब है कि सिंगापुर एयरशो हर दो साल में एक बार आयोजित होता है, जिसमें दुनियाभर के फाइटर जेट्स हिस्सा लेते हैं। यह एयर शो एविएशन इंडस्ट्री के लिए पूरी दुनिया को अपने एयरक्राफ्ट दिखाने का बेहतरीन अवसर होता है और विश्वभर की विमानन कम्पनियां इसके जरिये अपने उत्पादों की मार्केटिंग करती हैं। एयर शो में भारत द्वारा भी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी 'तेजस' की मार्केटिंग पर जोर दिया गया। इस एयर शो में भारतीय वायुसेना के तेजस के अलावा यूनाइटेड स्टेट्स एयरफोर्स, यूनाइटेड स्टेट्स मरीन कॉर्प्स, इंडोनेशियाई वायुसेना की जुपिटर एयरोबैटिक टीम, रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयरफोर्स इत्यादि की विशेष भागीदारी रही। सिंगापुर एयरशो 2022 में शामिल होने के लिए वायुसेना का 44 सदस्यों का एक दल 12 फरवरी को ही स्वदेशी फाइटर जेट, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, एलसीए तेजस मार्क-वन के साथ सिंगापुर पहुंच गया था। एयरोबैटिक्स में हिस्सा लेकर एलसीए तेजस ने अपनी संचालन से जुड़ी विशेषताओं तथा गतिशीलता को प्रदर्शित किया और पूरी दुनिया को दिखाया कि आखिर तेजस कितना ताकतवर लड़ाकू विमान है। सिंगापुर एयर शो से पहले भारतीय वायुसेना 2021 में दुबई एयर शो और 2019 में मलेशिया में लिमा एयर शो में भी हिस्सा ले

चुकी है।

एचएएल द्वारा निर्मित तेजस प्रमुख रूप से हवाई युद्ध और आक्रामक तरीके से हवाई सहायता मिशन में काम आने वाला विमान है। यह एकल इंजन और बहु-भूमिका वाला ऐसा बेहद फुर्तीला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान है, जो हवाई क्षेत्र में उच्च-खतरे वाली स्थितियों में संचालन करने में सक्षम है। टोही अभियान को अंजाम देने तथा पोत रोधी विशिष्टताएं इसकी द्वितीयक गतिविधियां हैं। भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल तेजस फाइटर जेट को पूरी दुनिया की प्रशंसा मिल रही है। दरअसल एचएएल का यह अत्याधुनिक हल्का लड़ाकू विमान पहले ही सारे परीक्षण बड़ी कुशलता से पास कर चुका है और अमेरिका जैसे विकसित देश ने भी तेजस को अपने सेगमेंट में दुनिया के बेहतरीन फाइटर जेट्स में से एक माना है। तेजस की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि पूर्णतया देश में ही विकसित करने के बाद इसकी ढ़ेरों परीक्षण उड़ान होने के बावजूद अब तक एक बार भी कोई भी उड़ान विफल नहीं रही और न ही किसी तरह का कोई हादसा हुआ। यही कारण है कि कई देशों का भरोसा भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों के साथ-साथ तेजस जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों पर भी बढ़ा है। भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा रक्षा बजट वाला देश है और अभी तक भले ही अपनी ज्यादातर रक्षा सामग्री का विदेशों से आयात करता रहा है लेकिन बीते कुछ वर्षों से भारत रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसके साथ ही रक्षा सामग्री के आयातक से निर्यातक बनने की राह पर भी अग्रसर है। रक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 तक रक्षा निर्माण में 25 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये) के कारोबार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 5 अरब डॉलर (35 हजार करोड़ रुपये) के सैन्य हार्डवेयर का निर्यात लक्ष्य भी शामिल है।

अगर तेजस की विशेषताओं की बात करें तो यह एचएएल द्वारा भारत में ही विकसित किया गया हल्का और मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे वायुसेना के साथ नौसेना की जरूरतें पूरी करने के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। तेजस संस्कृत भाषा का नाम है, जिसका अर्थ है 'अत्यधिक ताकतवर ऊर्जा'। 'तेजस' का यह अधिकारिक नाम 4 मई 2003 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा रखा गया था। मिग-21 लड़ाकू विमानों की पुरानी होती तकनीक को देखते हुए मिग विमानों का उपयुक्त विकल्प तलाशने और घरेलू विमानन क्षमताओं की उन्नति के उद्देश्य से देश में 1981 में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम शुरू किया गया था। उसी के बाद 1983 में तेजस विमानों की परियोजना की नींव रखी गई थी। तेजस का जो सैंपल तैयार किया गया, उसने अपनी पहली उड़ान जनवरी 2001 में भरी थी लेकिन सारी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद यह हल्का लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन में 2016 में ही शामिल किया जा सका। 2015 में तेजस को वायुसेना में शामिल करने की घोषणा हुई थी, जिसके बाद जुलाई 2016 में वायुसेना को दो तेजस सौंप दिए गए थे। वायुसेना को करीब दो सौ तेजस विमानों की जरूरत है। पिछले वर्षों में वायुसेना एचएएल को 40 तेजस विमानों की खरीद का ऑर्डर दे चुकी है, जिनमें से आधे से ज्यादा वायुसेना को मिल चुके हैं और गत वर्ष 83 तेजस विमानों का नया सौदा भी किया गया था। ये सभी तेजस फाइटर जेट वायुसेना के बेड़े में शामिल होने के बाद वायुसेना की जरूरतें पूरा करने में काफी मदद मिलेगी। दरअसल वायुसेना में अभी तेजस की कुल दो स्क्वाड्रन हैं और 83 तेजस मिलने के बाद इनकी संख्या 6 हो जाएगी, जिनकी तैनाती अनिवार्य रूप से फ्रंटलाइन पर होगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह कह चुके हैं कि एलसीए-तेजस आने वाले वर्षों में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ बनने जा रहा है।

तेजस में कई ऐसी नई प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है, जिनमें से कई का भारत में इससे पहले कभी प्रयास भी नहीं किया गया। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक तेजस लड़ाकू विमान चीन-पाकिस्तान के संयुक्त उद्यम में बने लड़ाकू विमान जेएफ-17 से हाईटेक और बेहतर है और यह किसी भी हथियार की बराबरी करने में सक्षम है। गुणवत्ता, क्षमता और सूक्ष्मता में तेजस के सामने जेएफ-17 कहीं नहीं टिक सकता। तेजस आतंकी ठिकानों पर बालाकोट स्ट्राइक से भी ज्यादा ताकत से हमला करने में सक्षम है। एक तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान की कीमत करीब 550 करोड़ रुपये है, जो एचएएल द्वारा ही निर्मित सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से करीब 120 करोड़ रुपये ज्यादा है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान इसी श्रेणी के दूसरे हल्के लड़ाकू विमानों से महंगा इसलिए है क्योंकि इसे बहुत सारी नई तकनीक के उपकरणों से लैस किया गया है। इसमें इसराइल में विकसित रडार के अलावा स्वदेश में विकसित रडार भी हैं। इसके अलावा इसमें अमेरिका की जीई कम्पनी द्वारा निर्मित एफ-404 टर्बो फैन इंजन लगा है। यह बहुआयामी लड़ाकू विमान है, जो मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों में भी बेहतर नतीजे देने में सक्षम है।

करीब 6560 किलोग्राम वजनी तेजस दुनिया में सबसे हल्का फाइटर जेट है, जो 15 किलोमीटर ऊंचाई तक उड़ सकने में सक्षम एक सुपरसोनिक फाइटर जेट है, जिसके निचले हिस्से में एक साथ नौ प्रकार के हथियार लोड और फायर किए जा सकते हैं। यदि इसे सभी प्रकार के हथियारों से लैस कर दिया जाए, तब इसका कुल वजन 13500 किलोग्राम होगा। लंबी दूरी की मार करने वाली मिसाइलों से लैस तेजस अपने लक्ष्य को लॉक कर उस पर निशाना दागने की विलक्षण क्षमता रखता है। यह कम ऊंचाई पर उड़कर नजदीक से भी दुश्मन पर सटीक निशाना साध सकता है। यह दूर से ही दुश्मन के विमानों पर निशाना साध सकता है और दुश्मन के रडार को भी चकमा देने की क्षमता रखता है। 'क्रिटिकल ऑपरेशन क्षमता' के लिए 'एक्टिव इलैक्ट्रॉनिकली स्कैंड रडार' जैसी नवीनतम तकनीक से लैस तेजस में बियांड विजुअल रेंज (बीवीआर) मिसाइल, इलैक्ट्रॉनिक वारफेयर सुइट तथा एयर टू एयर रिफ्यूलिंग की व्यवस्था भी की गई है। इस फाइटर जेट में लगा वार्निंग सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों और एयरक्राफ्ट का पता लगा सकता है।

संकीर्णता व दोहरेपन का शिकार प्रवासी मुद्दा

तनवीर जाफ़री

भारतीय संविधान देश के किसी भी राज्य अथवा किसी भी केंद्र शासित प्रदेश के किसी भी नागरिक को देश के किसी भी राज्य अथवा किसी भी केंद्र शासित प्रदेश में जाकर रोज़गार,सेवा अथवा व्यवसाय करने का पूरा अधिकार देता है। परन्तु इसके बावजूद समय समय पर कुछ विशिष्टजन विशेषकर ज़िम्मेदार नेतागण ऐसी भाषा बोलने लगते हैं जिससे न केवल प्रवासी लोगों के मन में अपनी सुरक्षा के प्रति भय उत्पन्न होता है बल्कि इससे हमारी राष्ट्रीय एकता पर भी गहरा आघात लगता है।

प्रायः उत्तर प्रदेश ,बिहार, मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़,बंगाल,राजस्थान व उत्तरांचल के लोग ही रोज़गार की तलाश में अथवा नौकरी या व्यवसाय की ख़ातिर देश के विभिन्न हिस्सों में आते जाते रहते हैं। इनमें भी विशेषकर उत्तर प्रदेश व बिहार जैसे देश के दो सबसे बड़े राज्यों के छात्र,कामगार,श्रमिक ख़ास तौर पर मुंबई,दिल्ली,पंजाब व हरियाण जैसे राज्यों में बहुतायत में जाते हैं।इसका मुख्य कारण जहाँ इन राज्यों का जनसँख्या घनत्व है वहीँ अशिक्षा व बेरोज़गारी भी इन राज्यों की बड़ी समस्या है। इत्तेफ़ाक़ से यही देश के ऐसे दो बड़े राज्य भी हैं जो हमेशा ही देश को सबसे अधिक संख्या में नौकरशाह मुहैय्या करवाते हैं। इतना ही नहीं बल्कि देश की राजनीति में भी प्रायः इन्हीं राज्यों का वर्चस्व रहा है। अनेक महापुरुष व राजनेता इन्हीं

दो राज्यों के रहे हैं। कितने सौभाग्यशाली है उत्तर प्रदेश व बिहार जैसे राज्य की धरती कि यह भगवान राम,कृष्ण,सीता,गुरु गोविन्द सिंह,संत रविदास,महात्मा बुद्ध,कबीर,तुलसी व कई अन्य महापुरुषों की यह जन्म व कर्मस्थली भी रही है।

परन्तु कितने दुःख का विषय है कि इन्हीं राज्यों के लोग समय समय पर कुछ संकीर्ण क्षेत्रीय मानसिकता रखने वाले नेताओं की संकीर्ण सोच व तंग नज़री का शिकार होने लगते हैं। और कभी कभी तो ऐसा भी देखा गया है कि यदि अपराधी प्रवृति के किसी प्रवासी ने कहीं कोई अपराध अथवा दुष्कर्म कर दिया तो स्थानीय लोग उसका ग़ुस्सा पूरे प्रवासी समाज पर उतारने पर आमादा हो जाते हैं। उदाहरण के तौर पर सितंबर 2018 में गुजरात राज्य के साबरकांठा में एक मासूम बच्ची के साथ एक मज़दूर ने बलात्कार किया था। बलात्कार का आरोपी बिहार का रहने वाला था। इस घटना के बाद गुजरात के कई शहरों में उत्तर भारत के लोगों के विरुद्ध न केवल विरोध-प्रदर्शन हुये बल्कि कई जगह उनके विरुद्ध स्थानीय लोगों की भीड़ हिंसक भी हो गयी। हिंसा पर उतारू भीड़ का कहना था कि यूपी और बिहार के लोग शहर से चले जाएं वरना उन्हें मार दिया जाएगा। वे कहते सुने जा रहे थे कि बाहरी लोग राज्य छोड़ दें साथ ही यह भी कि गुजराती लोगों को बचाया जाना चाहिए। इस हिंसा के बाद डरे सहमे उत्तर भारतीयों ने अपने-अपने राज्य-घर-गांवों की ओर बड़ी संख्या में पलायन करना शुरू कर दिया था। उत्तर भारत के बेगुनाह लोगों पर हुए इस हमले के बाद बिहार व उत्तर प्रदेश के लोगों ने कई जगह प्रदर्शन किया था तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध पोस्टर लगाये थे जिसमें लिखा था - 'गुजराती नरेंद्र मोदी बनारस छोड़ो'।

इन दिनों पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के उत्तर भारतीयों के बारे में दिये गये एक बयान को लेकर भाजपा विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोल दिया। चन्नी ने कहा था कि - प्रियंका पंजाबियों की बहू है। यूपी ,बिहार, दिल्ली के लोगों को यहां राज नहीं करने देना। यूपी के भइयों को पंजाब में फटकने नहीं देना है। बाद में भले ही चन्नी यह सफ़ाई देते रहे कि उनका आशय आम आदमी पार्टी के नेताओं से था,परन्तु तब तक राजनीति के महाचतुर खिलाड़ी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चन्नी के यू पी बिहार वाले बयान को गुरु गोविन्द सिंह व संत रविदास के अपमान से जोड़ चुके थे। परन्तु जब गुजरात,कश्मीर और महाराष्ट्र से इन्हीं भगवान राम,कृष्ण,सीता,गुरु गोविन्द सिंह, संत रविदास,महात्मा बुद्ध,कबीर व तुलसी के राज्यों के लोग मारे-पीटे-दुत्कारे व भगाये जा रहे थे और यही यू पी बिहार के कथित हितैषी उन राज्यों की सत्ता के साथ खड़े थे,उस समय यह भगवान राम,कृष्ण,सीता,गुरु गोविन्द सिंह, संत रविदास का अपमान नहीं था? जब इन्हीं राज्यों के लोग कोरोना काल में अपने परिवार,बच्चों व वृद्ध बीमार जनों के साथ हज़ारों किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहे थे तब क्या वह संत रविदास व गुरु गोविन्द सिंह का अपमान नहीं था ?

अब इसी प्रवासी मुद्दे का दूसरा पहलू भी देखिये। जिस तरह उत्तर भारतीय स्वरोज़गार हेतु देश के संपन्न राज्यों मो जाते हैं ठीक उसी तरह पंजाब,हरियाणा,गुजरात,यू पी व बिहार आदि अनेक राज्यों के लोग इसी रोज़गार व व्यवसाय के लिये अथवा शिक्षा ग्रहण करने के लिये अमेरिका-कनाडा जैसे अनेक विकसित देशों में जाते हैं। आज अनेक देशों में उनकी स्थिति ऐसी है कि कोई किसी देश का प्रधानमंत्री है कई विभिन्न देशों में मंत्री,कई जज तो कई सेना व पुलिस में उच्च पदों पर तैनात हैं। कोई सांसद तो कोई वैश्विक स्तर पर उद्योग जगत के शीर्ष पर है। लाखों लोग विदेशों में बड़े बड़े ज़मींदार-किसान बन चुके हैं। यक़ीनन हमारे देश के लोगों को उन प्रवासी भारतीयों पर गर्व है जो विदेशों में रहकर भारत का नाम ऊँचा कर रहे हैं। परन्तु जब बात 2004 में सोनिया गाँधी के प्रधानमंत्री बनने की आई तो यही राष्ट्रवादी देशभक्त उस समय यह कहते फिर रहे थे कि यदि विदेशी महिला प्रधानमंत्री बनी तो सर मुंडा लेंगे,उल्टी चारपाई पर लेटेंगे,भुने चने खाने लगेंगे आदि। इस तंगनज़री का आख़िर क्या जवाब है ? कल्पना कीजिये कि यदि यही रंग भेद व देशी विदेशी की संकीर्ण सोच भारतीयों के विरुद्ध विदेशों में भी पनपने लगी फिर आख़िर हमारे करोड़ों प्रवासी भारतीयों की क्या स्थिति होगी ?

जिस तरह विदेशों में भारतीय प्रवासी अपनी सेवायें देकर अपने अपने देशों के विकास व वहां की व्यवस्था में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं ठीक उसी प्रकार देश के किसी भी राज्य का प्रवासी किसी भी राज्य में श्रम कर अपनी रोज़ी रोटी तो कमाता ही है साथ साथ अपना ख़ून पसीना बहाकर वहां के निर्माण,प्रगति व विकास में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। आम तौर पर किसी भी राज्य के आम लोगों को किसी अन्य राज्यवासी से उसके राज्य अथवा धर्म जाति के आधार पर कोई आपत्ति नहीं होती। आम तौर पर ओछी व संकीर्ण राजनीति करने वाले नेता ही केवल अपना व्यापक जनाधार सिमटता देख इस तरह के संकीर्ण विवादों को जन्म देते हैं। परिणाम स्वरूप कभी कभी विशेषकर चुनावी बेला में प्रवासी मुद्दा संकीर्णता व दोहरेपन का शिकार हो जाता है।

विश्लेषण: उप्र की चुनावी राजनीति में महिलाओं की भूमिका

-डॉ. निहारिका तिवारी

उत्तर प्रदेश को भारतीय राजनीति के हृदय के रूप में देखा जाता है। इस प्रदेश में होने वाले चुनावी बदलाव, सम्पूर्ण देश की राजनीति को प्रभावित करते हैं। वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश नयी विधानसभा के गठन की ओर अग्रसर है।

इन दिनों प्रदेश में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं और 10 मार्च को चुनाव के परिणाम घोषित किये जाएंगे। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में लगभग पचास प्रतिशत महिलाएँ हैं। हमारे देश, यदि हम उत्तर प्रदेश की बात करें तो राज्य, की उन्नति एवं बहुमुखी विकास काफी हद तक महिला-शक्ति पर निर्भर है। यही कारण है कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दल महिलाओं को आकर्षित करने के लिए तरह- तरह के प्रयास करते हैं।

वर्तमान चुनाव को मद्देनज़र रखते हुए यदि हम उत्तर प्रदेश की विधानसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व का ऐतिहासिक दृष्टिकोण से विश्लेषण करें तो स्पष्ट होता है कि प्रथम विधानसभा से लेकर वर्तमान तक, प्रदेश का महिला प्रतिनिधित्व कभी भी दस प्रतिशत के आँकड़े से ऊपर नहीं पहुँच सका। 2017 में गठित 403 सदस्यों वाली विधानसभा में से 40 महिला सदस्य रही, जबकि 2012 में यह संख्या 35 थी। यदि हम इस परिदृश्य का विश्लेषण करें तो स्पष्ट होता है कि यद्यपि महिलाओं की सहभागिता का ग्राफ़ निरंतर बढ़ता रहा है परंतु चिंताजनक विषय यह है कि इसकी गति अत्यधिक धीमी है। इसके साथ ही एक सामान्य पृष्ठभूमि की महिला के लिए चुनाव लड़ पाना आज भी अत्यधिक चुनौतियों से भरा हुआ है।

इस संदर्भ में यह कहना सर्वथा उचित होगा कि प्रायः राजनीतिक दल पूर्व से मजबूत राजनीतिक पृष्ठभूमि वाली महिलाओं को चुनावी-रण में उतारते हैं,

परिणामस्वरूप सामान्य महिला की राजनीति में सहभागिता प्रायः परिवार द्वारा निर्धारित राजनीतिक दल को मतदान करने मात्र से ही सम्पन्न हो जाती है। क्योंकि चुनावी रणनीति के तहत टिकट का बँटवारा एक व्यक्ति के विजयी होने की क्षमता एवं जातीय समीकरणों पर आधारित होता है, परिणामस्वरूप लैंगिक समानता जैसे मुद्दे हाशिए पर चले जाते हैं।

फिलहाल, इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि देश एवं राज्य स्तर पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गये हैं जिनसे महिलाओं की राजनीति में सहभागिता बढ़ी है। उदाहरण के लिए, हमारे संविधान में सभी अट्ठारह वर्ष प्राप्त लोगों को मतदान करने का अधिकार वयस्क मताधिकार के तहत प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त, पंचायतीराज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिया गया है, इसी प्रकार महिलाओं से जुड़े मुद्दे जैसे महिला सुरक्षा, शिक्षा स्वास्थ्य इत्यादि शनैः-शनैः राजनीतिक मुद्दों में शामिल हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की आगामी सत्रहवीं विधानसभा में भारतीय चुनाव आयोग ने लैंगिक समानता के मुद्दे को प्राथमिकता देते हुई पूर्णतया महिलाओं द्वारा प्रबंधित पोलिंग बूथ स्थापित किए हैं। यह उत्तर प्रदेश सहित सभी पाँच राज्यों जिनमें चुनाव चल रहे हैं, उनके लिए अनिवार्य है। ऐसे पोलिंग बूथ पर सुरक्षा एवं पुलिस व्यवस्था सभी कार्य महिलाओं द्वारा किए जाएँगे। यह कदम निश्चित रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

यदि हम राजनीतिक दलों के नजरिए से देखें तो, उत्तर प्रदेश के कुल 150 मिलियन मतदाताओं में लगभग 69 मिलियन महिला मतदाता शामिल हैं। यदि हम 2014 के लोकसभा चुनाव से प्रारम्भ कर 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव एवं हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का विश्लेषण करें तो स्पष्ट होता है कि चुनाव के दौरान महिला मतदाताओं ने चुनाव परिणामों को प्रभावित करने का अभूतपूर्व कार्य किया है। यही वजह है कि, उत्तर प्रदेश चुनाव में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस पार्टी एवं समाजवादी पार्टी सभी महिलाओं को अपनी तरफ शामिल करने हेतु प्रयत्नशील हैं। उदाहरण के लिए, सत्तारूढ़ भाजपा महिलाओं को निरंतर यह विश्वास दिलाने का प्रयास कर रही है कि ÷मिशन शक्ति÷, ÷उज्जवला योजना÷ एवं ÷बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ÷ जैसे प्रयासों से प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान को प्राथमिकता दी गई है। इसी प्रकार समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आने पर जरूरतमंद महिलाओं को 18000 वार्षिक पेंशन देने की घोषणा की है। बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की है। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी ने ÷लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ% को अपना चुनावी नारा बनाया है एवं आम आदमी पार्टी ने मुफ्त बस सेवा देने एवं महिलाओं को 1000 रुपये प्रतिमाह देने का वादा अपने घोषणा पत्र में किया है।

एक महत्वपूर्ण बिंदु यह भी है कि जातिगत समीकरण चुनाव के अंतिम समय तक बनते-बिगड़ते रहते हैं, किंतु यदि कोई राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को लुभाने में सफल हो जाता है तो यह उसके लिए चुनावी अंकों में एक बहुत बड़ी बढ़त साबित होती है। किंतु यक्ष प्रश्न आज भी वही है कि क्या आने वाले समय में उत्तर प्रदेश की राजनीति महिलाओं से जुड़े मुद्दों को राजनीति की मुख्यधारा में लाने का प्रयास करेगी? साथ ही किस हद तक उत्तर प्रदेश के सत्ता के गलियारों में, जहाँ निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया चलती है, महिलाएँ अपना स्थान बना पाएंगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

अहमदाबाद मंडल के रेलवे ऑफिसर्स क्लब गांधीग्राम में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

■ अहमदाबाद

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद द्वारा रेलवे ऑफिसर्स क्लब गांधीग्राम में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद की अध्यक्षा गीतिका जैन ने रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बच्चों के लिए मण्डल पर पहली बार जोश-2022 खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया।
गीतिका जैन ने बताया कि विगत 2 वर्षों से कोविड-19 के कारण बच्चे न सही से स्कूल जा पा रहे हैं और न ही खेलकूदों में भाग ले पा रहे हैं। इतने समय से बच्चे खेलों से लगभग दूर ही रहे हैं। बच्चों को पुनः खेलकूद के प्रति जागरूक करने, स्वस्थ एवं एक्टिव रखने के उद्देश्य से इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें 6 वर्ष से 17 वर्ष तक के 315 बच्चों का नामांकन हुआ है। कोरोनाकाल में बच्चों की आउट डोर एक्टिविटी बंद होने के कारण इस प्रतियोगिता के लिये बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला।
इस प्रतियोगिता में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, चेस,कैरम, दौड़, लॉन्ग जंप, बनाना दौड़, नींबू दौड़ तथा बौरा दौड़ इत्यादि खेलों का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों के अभिभावकों से अनुरोध है कि बच्चों को खेलने से न रोके, उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित करें।

सरकार के फैसले को कई दलों ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी

जम्मू-कश्मीर के अगले विस चुनाव में केवल पीएजीडी में शामिल दलों को वोट दें : महबूबा

एजेंसी ■ जम्मू

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को लोगों से जम्मू-कश्मीर के आगामी विधानसभा चुनाव में छह राजनीतिक दलों के गठबंधन पीएजीडी को वोट देने का आग्रह किया ताकि भाजपा और उसके सहयोगियों को हराया जा सके। महबूबा ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल करने को लेकर शीर्ष अदालत में दाखिल मामले में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने छीने हुए अधिकार की बहाली के लिए एक शांतिपूर्ण संघर्ष के अपने आह्वान को दोहराया और कहा कि पांच अगस्त, 2019 की घटना भूकंप की तरह थी और इसके झटके अब भी महसूस किए जा रहे हैं तथा सरकार रोजाना हमसे कुछ न कुछ छीन रही है। पीएजीडी, नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी और माकपा सहित छह दलों का गठबंधन है, जो जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली की मांग कर रहा है। नरेंद्र मोदी सरकार ने पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करते हुए जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा वापस ले लिया था। सरकार के इस फैसले को कई दलों ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। महबूबा ने पुंछ जिले के सुरनकोट में पार्टी के एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, हम एकजुट हों या अलग-अलग लड़ें, आपको उन्हें वोट देना है जो विधानसभा में आपके वोट के साथ विश्वासघात न करें। मैं आपसे इस संदेश को हर नुक्कड़ तक ले जाने का अनुरोध करती हूं कि हमें पीएजीडी घटकों में से एक को चुनना है और उनके उम्मीदवारों को वोट देना है। उन्होंने कहा कि लोगों को बांटने की कोशिश की जा रही है और परिसीमन आयोग की अंतरिम रिपोर्ट हिंदुओं बनाम मुसलमानों, मुसलमानों बनाम मुसलमानों, गुर्जरों बनाम पहाड़ी भाषी लोगों और एक बनाम दूसरे को खड़ा करने की प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य भाजपा और उसके लोगों के लिए पर्याप्त सीटें प्राप्त करना है ताकि वे जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाकर 5 अगस्त, 2019 के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में हमारे मामले को कमजोर कर सकें। महबूबा ने कहा कि 5 अगस्त 2019 का फैसला जम्मू-कश्मीर की जनता के लिए भूकंप की तरह था।
उन्होंने कहा, भूकंप कुछ ही मिनटों में समाप्त हो जाता है लेकिन हम अभी भी इसके झटके महसूस कर रहे हैं। हमारी पहचान, संस्कृति और परंपराओं को खत्म करने के लिए वे आज भी हमसे रोजाना कुछ न कुछ छीन रहे हैं। वे लोगों से जबरन जमीन छीन रहे हैं।

महबूबा ने कहा

हम एकजुट हों या अलग-अलग लड़ें, आपको उन्हें वोट देना है जो विधानसभा में आपके वोट के साथ विश्वासघात न करें।

नई नौकरी को लेकर विवाद के बीच स्वप्ना सुरेश ने कहा- मुझे जीनें दें

एजेंसी ■ तिरुवनंतपुरम

सोना तस्करी मामले की आरोपी स्वप्ना सुरेश ने रविवार को अपने विरोधियों से आग्रह किया वह उन्हें जीने दें और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से कथित तौर पर संबद्ध एक एनजीओ में उनकी नई नौकरी को लेकर विवाद पैदा कर उन्हें परेशान ना करें। सुरेश ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें परेशान करने के किए जा रहे अथक प्रयासों को देखकर उनको बहुत निराशा हुई है। उन्होंने दावा किया कि शुरू में उनको परेशान करने के लिए एक किताब जारी किया गया और अब उनकी नौकरी को लेकर विवाद पैदा किया जा रहा है। सुरेश की प्रतिक्रिया केरल राज्य अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) हाईरेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस) के खिलाफ मिली शिकायतों के मद्देनजर कार्वाई शुरू करने के बीच आई है। आरोप लगाया गया है कि संगठन ने अट्टापडी और अन्य जगहों पर आदिवासियों के लिए आवासीय इकाइयों के निर्माण में अनियमितताएं कीं। सुरेश ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें एक साक्षात्कार के बाद एनजीओ में निदेशक, महिला सशक्तिकरण और सीएसआर के रूप में नियुक्त किया गया, न कि इसलिए कि उनका आरएसएस या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कोई जुड़ाव था।
उन्होंने कहा, मुझे जीने दें। मुझे अपने बच्चों की परवरिश करने दें और अपनी मां की देखभाल करने दें। अनावश्यक विवाद पैदा कर मुझे परेशान ना करें। मेरा किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है, इसलिए कृपया मुझे अकेला छोड़ दें।

हिसार-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन बहाल, हिसार और जोधपुर के बीच आंशिक रूप से रहेगी निरस्त

अहमदाबाद। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के मेड़ता रोड-जोधपुर सेक्शन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण सिकंदराबाद-हिसार-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन प्रभावित रहेगी। जो इस प्रकार है: दिनांक 22 फरवरी 2022 की ट्रेन संख्या 22737 सिकंदराबाद-हिसार एक्सप्रेस ट्रेन को बहाल कर दिया गया है। अब यह ट्रेन जोधपुर और हिसार के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। दिनांक 20 और 25 फरवरी 2022 की ट्रेन संख्या 22738 हिसार-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन को बहाल कर दिया गया है। अब यह ट्रेन हिसार और जोधपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

छत्तीसगढ़ में किशोरी का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म, दो व्यक्ति गिरफ्तार

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के एक गांव में शादी समारोह में शामिल होने आई 16-वर्षीया लड़की को कथित तौर पर अगवा कर उसके साथ पांच लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना बृहस्पतिवार की रात उस वक्त हुई जब सुलेसा गांव की रहने वाली लड़की अंबादीपाड़ा गांव के मैरिज हॉल से दोस्त की तलाश में निकली। जशपुर के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने कहा कि इसके बाद पांचों आरोपी उसे जबरन वहां से करीब तीन किलोमीटर दूर एक जंगल में ले गए और उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। शनिवार दोपहर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने 24 और 30 साल के दो आरोपियों को सुलेसा गांव से गिरफ्तार किया।

कांग्रेस में एकता के लिए दिग्विजय का वीडियो सोशल मीडिया पर आया

एजेंसी ■ भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें वह कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने की सलाह देते हुए कह रहे हैं कि ऐसा नहीं हुआ तो वर्ष 2023 का विधानसभा चुनाव प्रदेश में कांग्रेस के लिए आखिरी चुनाव होगा। वहीं, भाजपा ने इसे कांग्रेस में गुटबाजी का एक और उदाहरण बताया है। कथित तौर पर रतलाम में अलग-अलग गुटों में मिलने आए कार्यकर्ताओं को देखकर नाराज हुए सिंह वीडियों में कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने की नसीहत दे रहे हैं। सिंह वीडियो में कथित तौर पर कहते सुनाई दे रहे हैं, एक ग्रुप अलग मिलेगा, एक ग्रुप अलग मिलेगा तो कभी चुनाव जीत नहीं सकते। मेरा सर खपाना भी बेकार है और कमलनाथ जी बेचारे भी कुछ नहीं कर पाएंगे। सब लोग एक हो लेकिन आप लोग आमने सामने बात करने को तैयार नहीं। मैं यहां खड़ा हूं, लेकिन आप लोग अलग अलग खड़े हैं... ऐसा काम थोड़ी चलेगा...। उन्होंने कहा, अखिरी चुनाव है 2023 (मप्र विधानसभा का चुनाव) का, बता देता हूं आप लोगों को, अगर आप लोग ईमानदारी से चुनाव नहीं लड़े तो घर बैठिए। फिर कांग्रेस वापस नहीं आने वाली। वर्कर नहीं मिलेगा, काम करने वाला।
रतलाम जिला कांग्रेस (नगर) के अध्यक्ष महेंद्र कटारिया ने बताया कि सिंह शनिवार को स्थानीय सर्किट हाउस के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। कटारिया ने कहा, शनिवार की सुबह, सिंह ने मिलने आए पार्टी कार्यकर्ताओं (रतलाम जिले के जावरा से आए) को अलग-अलग गुटों में खड़े देखकर नाराजगी व्यक्त की। सिंह ने कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने को कहा।
वीडियो पर कांग्रेस का मजाक उड़ाते हुए प्रदेश भाजपा सचिव रजनीश अग्रवाल ने कहा कि सिंह पार्टी में गुटबाजी को उजागर कर रहे थे और वीडियों का उद्देश्य कमलनाथ को राज्य इकाई के अध्यक्ष पद से बेदखल करना था।
अग्रवाल ने दावा किया कि सिंह पहले से ही इस सच्चाई को जानते हैं कि 2023 में मध्य प्रदेश में सत्ता हासिल करना कांग्रेस के लिए एक दूर का सपना है।
उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि उनकी पार्टी उसके बाद अस्तित्वहीन हो जाएगी।
भाजपा नेता ने दावा किया इसके बावजूद सिंह ने वीडियो में पार्टी में गुटबाजी का जानबूझकर उल्लेख किया ताकि सभी को यह बताया जा सके कि कमलनाथ के नेतृत्व में यह हो रहा है।

कृषि विश्वविद्यालय वीसी की नियुक्ति को लेकर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, कांग्रेस में मतभेद

एजेंसी ■ रायपुर

रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) के कुलपति की नियुक्ति को लेकर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल और राज्य की कांग्रेस सरकार आमने-सामने हैं। राज्यपाल अनुसुइया उइके ने हाल ही में पत्रकारों से बात करते हुए पूछा था कि क्या इस राज्य में इस पद के लिए केवल एक समुदाय के लोगों पर विचार किया जाना चाहिए, जबकि 32 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की, 14 प्रतिशत अनुसूचित जाति समुदायों की और अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी भी है। राज्यपाल ने कहा था, छत्तीसगढ़ के 14 विश्वविद्यालयों में केवल एक समुदाय के लोगों को कुलपति की जिम्मेदारी दी गई है। राज्य के अन्य समुदायों के लोगों को भी मौका मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा था कि राज्यपाल को इस मुद्दे पर राजनीति करना बंद कर देना चाहिए और यह भी कहा था कि लोगों की मांग को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। बघेल ने कहा था, राज्यपाल हमारे हैं। वह हमारी संवैधानिक प्रमुख हैं। उन्हें इस मुद्दे पर राजनीति करना बंद कर देना चाहिए, यह छत्तीसगढ़ के हित में नहीं है। डॉ एस के पाटिल ने हाल ही में आई जी के वी के कुलपति के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया था, जिसके बाद डॉ एस एस सेंगर को विश्वविद्यालय का प्रभारी प्रमुख बनाया गया था। हालांकि, हाल ही में आईजीकेवी शिक्षक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने उइके से मुलाकात कर स्थानीय कुलपति नियुक्त किए जाने की मांग की थी। राजभवन से जारी एक बयान के अनुसार, उइके ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि आईजीकेवी को नियंत्रित करने वाले नियमों और अधिनियम के अनुसार कुलपति का चुनाव बिना किसी भेदभाव के किया जाएगा। इस बीच, विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक ने उनके बयान के लिए मुख्यमंत्री पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस इस तरह से राज्य के प्रमुख संस्थानों को बदनाम करने की लगातार कोशिश कर रही है।

कांग्रेस विधायक के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकाने का मामला दर्ज

पुलिस कर रही है मामले की जांच

एजेंसी ■ बेंगलुरु

कर्नाटक में कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान और उनके भाई सहित अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, घुसपैठ व धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह आपराधिक मामला सातवें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के निर्देश पर बेंगलुरु स्थित संपिघल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, शाहिस्ता नजीन खानम नाम की महिला के पास एलहंका के चोक्कनहल्ली में एक जमीन थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि बीते साल चार अगस्त को जब खानम की बहन तस्नीम फातिमा कुछ और लोगों के साथ इस जमीन पर मजदूरों के लिए झोंपड़ा बनाने पहुंचीं तो खान ने अपने भाई जमील अहमद खान व अन्य के साथ कथित तौर पर बुलडोजर और हथियारों के साथ उनकी संपत्ति में प्रवेश किया तथा उन्हें वहां कोई भी निर्माण न करने की धमकी दी। तसनीम ने कहा कि उनकी बहन के पास एलहंका में 5,300 वर्ग फीट में फैली जमीन है और घटना को लेकर उन्होंने पिछले साल पुलिस महानिदेशक व बेंगलुरु पुलिस आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई थी। तसनीम के पास इसका विशेष मुख्तारनामा है, हालांकि, आरोपी विधायक टिप्पणी के लिए तत्काल उपलब्ध नहीं हुए।

आंध्र प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों के लाभों को लेकर संशोधित आदेश जारी किए

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने आंदोलनकारी कर्मचारियों के साथ वार्ता सफल होने के दो सप्ताह बाद रविवार को सिलसिलेवार आदेश जारी करते हुए संशोधित वेतनमान-2022 (आरपीएस) के तहत आवास किराया भत्ते (एचआरए) में संशोधन और अन्य लाभों को बढ़ाने की घोषणा की। वाई.एस जगन मोहन रेड्डी सरकार कर्मचारियों को आरपीएस को लेकर उनकी अनिश्चिकालीन हड़ताल खत्म करने के लिए मनाने में कामयाब रही। कर्मचारी एचआरए को बढ़ाने, नगर प्रतिपूरक भत्ता बरकरार रखने और 70 वर्ष से अधिक आयु के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

अरुणाचल के साथ सीमा विवाद के हल के लिए जो भी जरूरी होगा, असम करेगा : सरमा

एजेंसी ■ युपिया

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार अरुणाचल प्रदेश के साथ दशकों पुराने सीमा विवाद के लिए हल के लिए वह सब करने को तैयार है जो इसके लिए आवश्यक होगा। अरूणाचल प्रदेश के 36 वें स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम में सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह ने सभी पूर्वोत्तर राज्यों से वार्ता के माध्यम से सीमा विवाद सुलझाने का निर्देश दिया है ताकि यह क्षेत्र देश के विकास के लिए एकजुट रहे। उन्होंने कहा, इस मुद्दे के समाधान के लिए जो भी जरुरी है , असम सरकार वह करने को तैयार है ताकि पड़ोसी राज्यों के बीच सौहार्द्रपूर्ण संबंध बना रहे। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के बीच सरकार के स्तर पर बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, तार्किक परिणति तक पहुंचने के लिए अप्रैल से हम जमीनी स्तर पर उपयुक्त वार्ता के माध्यम से गंभीर प्रक्रिया शुरू करेंगे। सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह ने सभी पूर्वोत्तर राज्यों को अदालत के रास्ते समाधान पाने के बजाय वार्ता के माध्यम से सीमा विवाद सुलझाने का निर्देश दिया है ताकि यह क्षेत्र एकजुट रहे तथा देश का विकास इंजन बने। पूर्वोत्तर लोकतांत्रिक गठबंधन के संयोजक सरमा ने कहा, हमारा प्रयास देश के बाकी हिस्से के लिए पूर्वोत्तर की पहचान अक्षुण्ण रखना है। इस बीच, अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि दोनों सरकारें अंतर्राज्यीय सीमा विवाद को सुलझाने के लिए काम कर रही है। अरूणाचल प्रदेश असम को काटकर बनाया गया था और दोनों प्रदेशों के बीच 800 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा मिलती है। सरमा ने कहा कि कार्यक्रम के लिए उन्हें न्यौता देकर अरूणाचल प्रदेश ने असम के लोगों का सम्मान किया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने शरद पवार से मुंबई में राजनीतिक चर्चा की

बेरोजगारी और कृषि संकट पर की चर्चा

एजेंसी ■ मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि देश के सामने मौजूद गरीबी, बेरोजगारी और कृषि संकट जैसे विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए सभी समान विचारधारा वाले दलों को एक साथ आने की जरूरत है। उन्होंने यह टिप्पणी तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से मुलाकात के बाद की जो उनके आवास पर मिलने पहुंचे थे। पवार ने संवाददाताओं से कहा कि तेलंगाना ने किसानों के कल्याण के लिए अच्छे कदम उठाए हैं जो देश के बाकी हिस्सों के लिए एक आदर्श हैं। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान सिर्फ विकास पर है। हम फिर मिलेंगे। राव ने दोपहर में शिवसेना अध्यक्ष और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की थी। इसके बाद वह पवार के दक्षिण मुंबई स्थित आवास पर गए थे।
पवार के साथ प्रेस वार्ता में मौजूद राव ने कहा कि राकांपा प्रमुख 1969 से अलग तेलंगाना राज्य के निर्माण के आंदोलन का समर्थन कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं यहां शरद पवार के साथ राजनीतिक चर्चा करने और आजादी के 75 साल बाद देश को कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस पर बात करने आया था। हमने उन बदलावों को लाने की जरूरत पर भी चर्चा की जो आवश्यक हैं लेकिन अभी तक नहीं किए गए हैं।

निर्णय सीएए विरोधी प्रदर्शन के नेता की संदिग्ध मौत को लेकर नाराजगी

एसएफआई पूरे बंगाल में प्रदर्शन करेगी

एजेंसी ■ कोलकाता

माकपा की छात्र इकाई एसएफआई ने हावड़ा जिले में वाम नेता अनीस खान की संदिग्ध मौत के मामले में समूचे पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन करने की योजना बनाई है।
खान के परिवार ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार की रात पुलिस की वर्दी पहने कुछ लोग उनके अमटा स्थित घर पहुंचे, वाम नेता को घसीटकर छत पर ले गए और वहां से उन्हें नीचे फेंक दिया जिससे उनकी मौत हो गई। खान संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान सुर्खियों में आए थे।
पुलिस ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि कोई भी पुलिस कर्मी खान के घर नहीं गया है। पुलिस ने कहा कि वह अपने घर के पास मृत मिले थे। घटना के बाद व्यापक प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। कांग्रेस, माकपा और भाजपा ने आरोप लगाया है कि तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता हत्या के मास्टरमाइंड हैं जबकि सत्तारूढ़ दल ने दावा किया है कि यह गहरी साज़िश है जिसे संभवतः पश्चिम बंगाल के बाहर रचा गया। आलिया विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्रों ने पार्टी लाइन से हटकर शनिवार की रात मोमबत्ती मार्च के लिए कोलकाता में पुलिस के साथ संघर्ष किया।
उनकी मांग है कि खान के हत्यारों को पकड़ा जाए और उन्हें ऐसी सज़ा दी जाए जो मिसाल कायम करे। एसएफआई राज्य समिति के सदस्य सुभाजीत सरकार ने पीटीआई-भाषा से कहा, खान के परिवार और

आलिया विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ एकजुटता दिखाते हुए स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) रविवार और सोमवार को राज्य भर में विरोध रैलियां निकालेगा। सरकार ने कहा, संयुक्त राष्ट्रीय सचिव दिप्सिता धर और प्रदेश अध्यक्ष प्रतिकुर रहमान के नेतृत्व में एसएफआई का एक प्रतिनिधिमंडल खान के आवास गया है। हम दृढ़ता से मानते हैं कि यह एक अलग घटना नहीं थी। उन्हें काफी समय से निशाना बनाया जा रहा था।
हमें शक है कि घटना में स्थानीय टीएमसी नेताओं की संलिप्तता है। घटना के विरोध में प्रदर्शनकारी मंगलवार को मध्य कोलकाता में राइटर्स बिल्डिंग तक मार्च निकालेंगे। माकपा के राज्य सचिव सूर्यकांत मिश्रा ने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है।
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने भी आरोप लगाया कि यह एक पूर्व नियोजित हत्या थी और मांग की कि दोषियों को राजनीतिक संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी टीएमसी पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, ऐसी हर घटना के पीछे टीएमसी के लोग हैं। हमलावर पुलिस की वर्दी और राइफल कैसे खरीद सकते थे?
परिवहन मंत्री और कोलकाता नगर निगम के महापौर फिरहाद हाकिम ने कहा कि यह साजिश लगती है जो राज्य के बाहर रची गई है। उन्होंने कहा, अगर कथित घटना असल में हुई है, तो यह उत्तर प्रदेश की घटनाओं की याद दिलाती है, न कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्य की, जिसका प्रगतिशील आंदोलनों और लोकतांत्रिक परंपराओं का इतिहास है।

साबू जैकब ने ट्वेंटी 20 पार्टी के दलित कार्यकर्ता की मौत की सीबीआई जांच की मांग की

एजेंसी ■ कोच्चि

ट्वेंटी 20 पार्टी के मुख्य समन्वयक और उद्योगपति साबू एम जैकब ने दलित कार्यकर्ता सी के दीपू की मौत की रविवार को सीबीआई जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि राज्य पुलिस पर निष्पक्ष जांच करने का भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह लोगों के खिलाफ मामले दर्ज करके उन्हें डराने की कोशिश कर रही है। जैकब ने कहा कि अगर राज्य सरकार या सत्तारूढ़ पार्टी की दलित कार्यकर्ता की मौत में कोई भूमिका नहीं है तो सीबीआई को जांच सौंपनी चाहिए क्योंकि इससे सबूत देने के लिए अधिक लोग सामने आएंगे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया, अभी लोग डरे हुए हैं कि पुलिस उनके खिलाफ मामले दर्ज करेगी। उन्होंने (पुलिस) मेरे खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। वे हर उस व्यक्ति को डराने की कोशिश कर रहे हैं, जो सामने आ रहा है। गौरतलब है कि पुलिस ने जैकब और कई अन्य के खिलाफ एक मामला दर्ज किया तथा उसकी कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के लिए शनिवार को दीपू के अंतिम संस्कार के लिए एकत्रित होने वाले अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की योजना है। इस बीच, मृतक के पिता ने पत्रकारों से बात की और उस घटनाक्रम का ब्योरा दिया, जिसके चलते उनके बेटे की मौत हुई।
वह यह कहते हुए रो पड़े कि अब वह कभी दीपू को दोबारा नहीं देख पाएंगे। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष और लोकसभा अध्यक्ष के सुधाकरन ने एक बयान में मांग की कि दलित कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या करने की साजिश का कथित तौर पर हिस्सा होने के लिए इलाके के माकपा विधायक के खिलाफ एक मामला दर्ज किया जाए। पुलिस ने बताया था कि दीपू की अलुवा के एक अस्पताल में इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई। उस पर एक सप्ताह पहले एक स्थानीय राजनीतिक विवाद को लेकर कथित तौर पर माकपा कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया था। पुलिस ने दीपू पर हमले के संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया था।
एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया था, एक व्यक्ति पर हमला करने के संबंध में उन्हें गिरफ्तार किया गया। उसकी मौत के बाद उन सभी पर आईपीसी की धारा 302 भी लगाई गई। नव गठित राजनीतिक दल ट्वेंटी20 किझाक्कमबलम को प्रतिष्ठित उद्योगपति साबू एम जैकब का समर्थन प्राप्त है।

हिज़ाब विवाद पर भड़कीं जायरा वसीम, सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास

कर्नाटक में हिजाब को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऋचा चड्ढा, स्वरा भास्कर, कंगना रनौत, जावेद अख्तर जैसे सितारों के प्रतिक्रिया देने के बाद अब इस कड़ी में एक और नाम जुड़ गया है जायरा वसीम का। दंगल, सीक्रेट सुपरस्टार और द स्काई इज पिंक जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी अभिनेत्री जायरा वसीम देश में चल रहे हिजाब विवाद पर जमकर भड़की है और इसकी भड़ास उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में निकाली है।

अपनी पोस्ट में जायरा वसीम ने लिखा- हिजाब पहनना एक विकल्प है, यह सोच गलत है। सुविधा या अज्ञानता की वजह से ऐसी सोच बनी है। हिजाब इस्लाम में एक विकल्प नहीं बल्कि एक दायित्व है। अल्लाह, जिसे वह प्यार करती है और जिसे वह खुद को सौंप चुकी है, उसके द्वारा दिए गए एक दायित्व को पूरा करने के लिए महिला हिजाब पहनती है। एक महिला के रूप में मैं कृतज्ञता और विनम्रता के साथ हिजाब पहनती है, मैं इस पूरी व्यवस्था का विरोध करती हूं। जहां महिलाओं को केवल एक धार्मिक प्रतिबद्धता करने के लिए रोका और परेशान किया जा रहा है।

मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ इस पूर्वाग्रह को ढेर करना और ऐसी व्यवस्था स्थापित करना जहां उन्हें शिक्षा और हिजाब के बीच फैसला करना चाहिए या छोड़ देना एक पूर्ण अन्याय है। आप उन्हें एक बहुत विशिष्ट विकल्प बनाने के लिए मजबूर करने का प्रयास कर रहे हैं। इन सबसे ऊपर, एक मुखौटा बनाना कि यह सब सशक्तिकरण के नाम पर किया जा रहा है, और भी बुरा है जब यह बिल्कुल विपरीत है।

कंगना रनौत ने मूवी माफिया पर फिर साधा निशाना

अपने बेबाक बयानों के कारण चर्चा में रहने वाली बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत ने एक बार फिर मूवी माफिया पर निशाना साधा है।

कंगना रनौत ने रविवार को अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने बिना किसी का नाम लिए लिखा- %इस शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ खाक में मिल जाएंगे। एक पापा (मूवी माफिया डैडी) की परी (जो ब्रिटिश पासपोर्ट रखती है) के लिए... क्योंकि पापा यह साबित करना चाहता है कि यह रॉमकॉम बिंबो ऐक्टिंग भी कर सकती है...इस फिल्म की सबसे बड़ी खामी इसमें की गई गलत कास्टिंग है...ये नहीं सुधरेंगे। कोई ताज्जुब नहीं है कि सिनेमाघर साउथ और हॉलिवुड की फिल्मों की तरफ जा रहे हैं...जब तक मूवी माफिया पावर में हैं तब तक बॉलीवुड की किस्मत में यही लिखा है।

इसके बाद कंगना ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए लिखा- बॉलीवुड माफिया डैडी पापा जो जिसने अकेले ही फिल्म इंडस्ट्री का कल्चर बदल दिया, उसने कई बड़े डायरेक्टर्स के साथ इमोशनली चालाकी चली और अपने औसत दर्जे को के प्रॉडक्ट को बेहतरीन सिनेमाई प्रतिभा के ऊपर रखा है। इस रिलीज के बाद एक और ऐसा उदाहरण सामने आएगा...लोगों को इन्हें देखना ही बंद कर देना चाहिए। इस शुक्रवार को एक बड़ा हीरो और महान डायरेक्टर उसकी चालाकी के नए शिकार हैं।

सोशल मीडिया पर कंगना का यह पोस्ट वायरल हो रहा है। वहीं सोशल मीडिया यूजर्स कंगना के इस पोस्ट को देखकर यह कयास लगा रहे हैं कि कंगना का यह निशाना अभिनेत्री आलिया भट्ट पर है क्योंकि अगले हफ्ते ही आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी रिलीज होने वाली है।

पाकिस्तान में कोविड निगेटिव थे राहत फतेह अली खान, दुबई में पाए गए पॉजिटिव

मशहूर पाकिस्तानी सिंगर उस्ताद राहत फतेह अली खान कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। इसके बाद उनका दुबई में होने वाला शो कैंसल कर दिया गया है। राहत फतेह अली खान की टीम ने सोशल मीडिया के जरिए यह सूचना फैन्स के साथ साझा की है। सबसे खास बात यह है कि पाकिस्तान में किए गए टेस्ट में राहत कोरोना निगेटिव थे लेकिन दुबई में हुए टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं।

राहत की टीम ने सोशल मीडिया पर ट्वीट करते हुए लिखा, %हम दुख के साथ राहत फतेह अली खान की सूफी नाइट रिशेड्यूल किए जाने की घोषणा करते हैं क्योंकि वह कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। अब यह इवेंट 12 मार्च 2022 शनिवार को होगा। हम आपको हुई असुविधा के लिए माफी चाहते हैं। इस मेसेज के सामने आने के बाद राहत के फैन्स जल्द से जल्द उनके ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

बता दें कि अपनी कव्वाली और गजल के लिए मशहूर राहत फतेह अली खान दुनिया के सबसे पॉप्युलर सिंगर्स में से एक रहे नुसरत फतेह अली खान के भतीजे हैं। राहत फतेह अली खान पाकिस्तान के अलावा भारत में भी खासे पॉप्युलर हैं और बॉलिवुड फिल्मों में उन्होंने बहुत से सुपरहिट और यादगार गाने दिए हैं। बॉलिवुड में पहली बार राहत ने जॉन अब्राहम और उदिता गोस्वामी की फिल्म पाप के मशहूर गाने मन की लगन में अपनी आवाज दी थी। इस गाने को बेहद पसंद किया गया।

इसके बाद राहत ने बॉलिवुड में ओ रे पिया (आजा नचले), जिया धड़क धड़क (कलयुग), मैं जहां रहूं (नमस्ते लंदन), सजदा (माय नेम इज खान), दिल तो बच्चा है जी (इश्किया), आसपास खुदा (अनजाना अनजानी), जग सूना सूना लागे (ओम शांति ओम) और तेरे मस्त मस्त दो नैन (दबंग) जैसे एक से बढ़कर एक सुपरहिट गाने दिए हैं।

दृष्यम 2 में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभायेंगे अक्षय खन्ना

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना फिल्म दृष्यम 2 में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाते नजर आयेंगे।

अजय देवगन की मुख्य भूमिका वाली फिल्म दृष्यम 2 की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अभिनेत्री श्रिया सरन , तब्बू के साथ अक्षय खन्ना की भी अहम भूमिका होगी।इस फिल्म में अक्षय खन्ना पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाते नजर आयेंगे। अक्षय खन्ना का किरदार कोई साइड किरदार नहीं है। उनके लिए खासतौर से पूरा किरदार लिखा गया है जिसे वह फिल्म में परफार्म करते नजर आएंगे।

गौरतलब है कि अजय देवगन ने पिछले दिनों नवी मुंबई में फिल्म की शूटिंग की थी और पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। अजय देवगन की दृश्यम इसी नाम की मलयालम भाषा में बनी सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म की हिंदी रीमेक थी, जिसे निशिकांत कामत ने निर्देशित किया था।

संजय दत्त-राजीव कपूर स्टारर तुलसी दास जूनियर का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त और दिवंगत अभिनेता राजीव कपूर स्टारर फिल्म तुलसी दास जूनियर का ट्रेलर रिलीज हो गया है। तुलसी दास जूनियर में संजय दत्त, राजीव कपूर और बाल कलाकार वरुण बुद्धदेव ने मुख्य भूमिका निभायी है। तुलसी दास जूनियर का ट्रेलर रिलीज हो गया है।तुलसी दास जूनियर की कहानी एक 13 साल के लड़के के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो स्नूकर के खेल में अपने पिता की हार का बदला लेता है। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म को भूषण कुमार और आशुतोष गोवारिकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर को टी-सीरीज ने अपने यूट्यूब चैनल से रिलीज किया है। आशुतोष गोवारिकर प्रोडक्शन की फिल्म तुलसीदास जूनियर को गुलशन कुमार और टी सीरीज पेश कर रहा है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, आशुतोष गोवारिकर और सुनीता गोवारिकर द्वारा निर्मित, इस फिल्म को मृदुल ने लिखा और निर्देशित किया है। तुलसी दास जूनियर राजीव कपूर की आखिरी फिल्म है। यह फिल्म 04 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमिताभ के साथ काम कर रोमांचित हैं प्रभास

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास महानायक अमिताभ बच्चन के साथ काम कर रोमांचित हैं। अमिताभ बच्चन और प्रभास जल्द ही एक साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस साइंस-फिक्शन का अभी तक नाम तय नहीं हुआ है। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया के जरिए प्रभास के साथ अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए उन्हें प्रतिभाशाली और विनम्र कलाकार बताया। वहीं प्रभास ने लिखा कि, लेजेंडी अमिताभ बच्चन के साथ काम करना मेरे लिए किसी सपने की तरह है।

अमिताभ बच्चन ने लिखा, पहला दिन...पहला शॉट...पहली फिल्म बाहुबली प्रभास के साथ...उनका ऑरा, उनकी प्रतिभा और उनकी विनम्रता का साथ पाना बहुत सम्मान की बात है...सीखने के लिए आत्मसात करना!!।

प्रभास ने अमिताभ की थ्रोबैक फोटो शेयर कर लिखा, यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। फिल्म का पहला शॉट लेजेंड्री अमिताभ बच्चन सर के साथ!। निर्देशक नाग अश्विन की इस फिल्म में अमिताभ और प्रभास के साथ ही दीपिका पादुकोण भी नजर आने वाली हैं।

पाखी हेगड़े का 'कमरिया आटोमेटिक लेफ्ट राइट' वीडियो हुआ वायरल

सोशल मीडिया में एक्टिव रहने वाली स्टनिंग एक्ट्रेस पाखी हेगड़े और देसी स्टार समर सिंह का नया सांग सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बोल बड़े यूनिक हैं ÷कमरिया आटोमेटिक लेफ्ट राइट।

यह वीडियो सांग म्यूजिक चैनल तड़का भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस गाने में पहली बार पाखी हेगड़े और समर सिंह रोमांटिक जोड़ी में नजर आ रहे हैं। इस गाने को समर सिंह ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। फीमेल सिंगर नेहा राज हैं। समर सिंह के साथ इस गाने

को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

गाने के वीडियो में समर सिंह जैसे ही कहते हैं लेफ्ट राइट वैसे ही पाखी हेगड़े उनकी आवाज पर थिरकती हुई नजर आ रही हैं। पाखी का डांस मूवमेंट इतना गजब का है कि समर सिंह भी उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह पा रहे हैं। पाखी के डांस को देखकर हर किसी ने दांतों तले उंगली दबा ली है, साथ ही गाने को तरह तरह के कमेंट, लाइक मिल रहे हैं और काफी तादाद में शेयर भी किए जा रहे हैं। दर्शकों को पाखी हेगड़े का नया अंदाज खूब भा रहा है। पाखी को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखा जा रहा है। सोशल मीडिया में पाखी हेगड़े हमेशा ही अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं।

पाखी ने बताया कि यह बेहतरीन गाना है। हम अपने चाहने वालों से अपील करते हैं कि आप हमारे गाने को बहुत सारा प्यार और आशीर्वाद दें। हमारा गाना तड़का भोजपुरिया के यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। हमारी और समर सिंह की केमेस्ट्री को प्यार देने के लिए धन्यवाद। समर सिंह के साथ हमारी केमेस्ट्री लोगों को एक अवार्ड शो के समय से पसंद आ रही है।

राखी सावंत ने अफसाना खान की शादी में 'सामी सामी' पर किया गजब डांस, लूट ली महफिल

पुष्पा॰ द राइज फिल्म के गाने सामी सामी का खुमार सिलेब्रिटीज के सिर से उतरने का नाम ही नहीं ले रहा है। सेलेब्स से लेकर फैंस तक इस गाने पर जमकर डांस रील्स बना रहे हैं। अब लिस्ट में राखी सावंत का भी नाम शामिल हो गया है।

राखी सावंत हाल ही बिग बॉस 15 की कंटेस्टेंट और तितलियां वर्गा सिंगर अफसाना खान की शादी में शामिल हुईं। शादी में राखी सावंत ने सामी सामी पर ऐसी कमर मटकाई कि सब देखते रह गए।

राखी सावंत ने सज-धजकर सामी-सामी पर जोरदार ठुमके लगाए और इसका हुक स्टेप भी किया। राखी ने इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। साथ में बॉलिवुड फैशन कोरियॉग्रफर और पर्सनैलिटी इंस्ट्रक्टर राजीव खिंची भी नजर आ रहे हैं। फैंस भी राखी के डांसिंग स्टाइल की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अफसाना खान ने मंगेतर सांज के साथ 19 फरवरी को शादी की। शादी में राखी सावंत के अलावा हिमांशी खुराना, उमर रियाज, रश्मि देसाई, अक्षरा सिंह और डोनल बिष्ट भी शामिल हुईं। शादी आनंद कानन रीति-रिवाज से हुई। शादी की रस्में 18 फरवरी से शुरू हुई थीं। वहीं बात करें सामी सामी गाने की तो इसे पुष्पा में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना पर फिल्माया गया था। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री खूब पसंद की गई। जहां पुष्पा ने बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई की वहीं इसके अन्य गाने श्रीवल्ली और ऊं अंटावा ने भी सफलता के झंडे गाढ़े।

शादी के बंधन में बंधी सिंगर अफसाना खान, तस्वीरें वायरल

बिग बॉस 15 की कंटेस्टेंट रह चुकीं पंजाबी सिंगर अफसाना खान बीते दिन यानी 19 फरवरी को अपने मंगेतर साज के साथ शादी के बंधन में बंधी गई है। दोनों की शादी की तस्वीरें सामने आ गई है और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

अफ़साना ने खुद अपनी शादी की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा किया है। शादी के दिन अफसाना ने पिंक कलर का इंडियन ट्रेडिशनल आउटफिट पहना। इसके साथ उन्होंने हैवी गोल्ड की ज्वैलरी भी कैरी की और साज ब्लैक शेरवानी में नजर आये। इसके साथ ही उन्होंने पगड़ी भी पहनी हुई थी। शादी की अन्य तस्वीरों में अफसाना ऑरेंज कलर के लहंगे में नजर आ रही थीं। साज ऑफ व्हाइट कलर की शेरवानी में दिखाई दे रहे थे। शादी की इन तस्वीरों को साझा करते हुए अफसाना ने लिखा-हमारी खुशी अब शुरू होती है।

सोशल मीडिया पर अफसाना और साज की इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और प्रतिक्रिया देते हुए अफसाना और साज को शादी की बधाई दे रहे हैं। दोनों की शादी की रस्में 18 फरवरी से शुरू हो गई थीं। इस शादी में बिग बॉस के कई पूर्व कंटेस्टेंट पहुंचे थे। इनमें शेफाली बग्गा, उमर रियाज, हिमांशी खुराना, राखी सावंत, डोनल बिष्ट, अक्षरा सिंह समेत कई सितारों ने शिरकत की थी।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

सरोजनीनगर–लखनऊ। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन संचालित जन शिक्षण संस्थान (सानि) द्वारा सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सरोजनी नगर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर बीना खुराना कहा कि भांति–भांति की भाषा सबको आती, पर हिंदी ही सबको भाती। उन्होंने अपने अनुभव बालिकाओं से साझा किया। कार्यक्रम में लेखक एवम इंडिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा मुद्रित उजाला मासिक पत्रिका के संपादक लायक राम मानव ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के इतिहास, उद्देश्य पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम अपनी मातृभाषा के बिना गूंगे हैं और हमारी कुछ मात्र भाषाएँ विलुप्त होने की कगार पर हैं। उन्होंने कहा कि इन भाषाओं को बचाये रखने के लिए इस दिवस को मनाया जाता है। कस्तूरबा गांधी विद्यालय की बालिकाओं ने मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में कविताएं एवं गीत सुनाए जिन्हें अतिथियों ने सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जन शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार ने संस्थान द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत मे जन शिक्षण संस्थान के मैनेजर आईपी गुप्ता व सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा के संयुक्त रूप से अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की अध्यापिकाएं ज्योती, लक्ष्मी, निशा एवं लेखाकार मिथलेश कुमार झा सहित समस्त बालिकाए मौजूद रही। उधर सरोजनीनगर की देवलोक कालोनी स्थित सहयोग परिवार परिसर में भी जन षिक्षण संस्थान द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर जन षिक्षण संस्थान के निदेषक सौरभ खरे ने प्रतिभागियों को मातृभाषा का महत्व समझाया।

बंथरा मे काम कर रहा महाबली का बल

बंथरा। सरोजनी नगर विधानसभा के बंथरा इलाके मे भाजपा को मजबूती देने का काम यहाँ चालीस सालो तक लगातार प्रधानी करने वाले बृजभान सिंह के मंझले सुपुत्र संजय सिंह चौहान ''महाबली'' कर रहे हैं। कहा जा रहा है बंथरा मे महाबली का बल काम आ रहा है। ऐसा इसलिये कहा जा रहा है कि जातीय आधार पर यहां बसपा और सपा के बेस वोटो की संख्या कम नही है। वहीं ठाकुर, ब्राह्मण और वैश्य सहित और जो पिछड़ी जाती के लोग भाजपा के वोटर माने जाते हैं, उनमे शुरूआत मे देखा जा रहा था कि काँग्रेस सेंधमारी कर रही थी। ऐसे मे यहाँ भाजपा की जीत आसान नही दिखाई दे रही थी। लेकिन चुनाव से दो दिन पहले हालात बदले दिखाई दे रहे हैं। संजय सिंह महाबली ने ऐसे वोटरो को मनाने का काम किया है, जो वोट भाजपा के खिसक रहे थे उन्हे अपने पाले मे ले आए हैं। अब बंथरा भाजपा मय हो चुका है। हर तरफ योगी मोदी राजेश्वर और संजय महाबली के नारे लग रहे हैं।

आर्थिक मदद के लिए भटक रहा शहीद का परिवार

- मुख्यमंत्री राहत कोष से शहीद के माता पिता को 5लाख देने की हुई थी घोषणा।
- सरकार ने जमीन दी लेखपाल व प्रधान ने मिलकर की कटौती
- वर्ष 2016 में उड़ी में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए थे जौनपुर जिले के रहने वाले राजेश कुमार सिंह

प्रफुल्ल कुमार राय

लखनऊ। वर्ष 2016 में जम्मूकश्मीर के उड़ी इलाके में भारतीय सेना पर हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जौनपुर जिले के राजेश कुमार सिंह का परिवार आज भी आर्थिक मदद की गुहार लगा रहा है। अब तक 63 प्रार्थना पत्र भेजने के बावजूद उन्हें अब तक आर्थिक मदद नहीं मिल सकी। ज्ञात हो कि 18 दिसंबर 2016 को जम्मू कश्मीर में उड़ी इलाके में सेना के कैम्प पर हुए आतंकवादी हमले में जौनपुर जिले में रहने वाले राजेश कुमार सिंह शहीद हो गए थे। उस वक्त शहीद की पत्नी को सरकार की ओर आए आर्थिक मदद मिली। इसके बावजूद शहीद के माता पिता को मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद दिए जाने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक उन्हें आर्थिक सहायता नहीं मिल सकी। शहीद राजेश कुमार सिंह के पिता राजेन्द्र प्रसाद सिंह व माता प्रभावती सिंह ने अबतक आर्थिक सहायता पाने के लिए 63 प्रार्थना पत्र दे चुके है। लेकिन आर्थिक मदद अभी तक नहीं मिली। शहीद के पिता राजेन्द्र व माता प्रभावती की माने तो मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को 22, प्रधानमंत्री को 5, रक्षामंत्री को 2, गृहमंत्री को 4, प्रदेश सरकार की मंत्री रीता बहुगुणा जोशी 4, राज्यमंत्री स्वाति सिंह को 1, जिलाधिकारी जौनपुर को 15, उपजिलाधिकारी जौनपुर को 11प्रार्थनापत्र दिया जा चुका है । लेकिन आर्थिक मदद नहीं मिली। शहीद के पीड़ित पिता राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि वह जौनपुर जिले के भकुरा गांव में रहते है। प्रदेश सरकार द्वारा जमीन का पट्टा किया गया लेकिन लेखपाल व ग्राम प्रधान ने मिलकर उसमे भी कटौती कर पट्टा दूसरे के नाम कर दिए गए। मुख्यमंत्री के शिकायत पोर्टल पर की गई शिकायते जमीनी हकीकत जाने बिना निस्तारित कर दी गई। शहीद के परिवार को न पूरी जमीन मिली न आर्थिक सहायता। वह आज भी भटक रहे है।

आबकारी विभाग और पुलिस ने पकड़े चार अवैध शराब व्यापारी

कुलदीप त्यागी

गोसाईंगंज लखनऊ। गोसाईगंज कोतवाली की पुलिस और आबकारी विभाग की टीम द्वारा चार अवैध शराब विक्रेताओं को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। पकड़े गए अभियुक्तों के पास से बीस लीटर कच्ची व 150 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद की गई है। इंस्पेक्टर शैलेन्द्र गिरि की ओर से जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 21 फरवरी 2022 को गोसाईगंज पुलिस विभाग की ओर से वे और आबकारी विभाग से निरीक्षक कुलदीप सिंह की टीमें संयुक्त रूप से क्षेत्र में सक्रिय थी।इस टीम को मुखबिर द्वारा जानकारी दी गई कि कुछ लोग राम बक्स खेड़ा गांव में अवैध शराब की खरीद फरोख्त का काम कर रहे हैं।इस सूचना के आधार पर दोनों विभागों (पुलिस व आबकारी) की संयुक्त टीम मुखबिर द्वारा बनाए गए स्थान पर पहुंची तो पाया कि व स्थान पर कार्टन व पिपरिया रखी हुई थी।पास में ही ही चार व्यक्ति भी खडे हुए थे। मौके पर पहुंची टीम ने एक बारगी दबिश देकर चारों अभियुक्तों को को गिरफ्तार कर लिया।एक व्यक्ति ने अपना नाम प्रिंस जायसवाल (23) पुत्र रामप्रकाश जायसवाल बताया। उसने खुद को थाना नगराम के गांव समेसी बताया। उसके पास से 35 क्वार्टर देशी शराब विंडीज़ ब्रांड की शराब बरामद हुई।इसके अलावा शेष बचे अभियुक्तों , उदित जायसवाल (22) पुत्र आनन्द जायसवाल, आनन्द जायसवाल (48) पुत्र शिवशंकर जायसवाल और सुमिरन यादव (45) पुत्र पंचम यादव ने अपना खुद को गोसाईगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव रामबख्श खेड़ा निवासी बताया।इन तीनों के पास से क्रमशः बीस लीटर,75 क्वार्टर तथा 40 क्वार्टर देशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को मादक पदार्थ बेचने के आरोप में धारा 60 के तहत जेल भेज दिया गया।इस बात की जानकारी मिलने के बाद लोगों ने कहना शुरू किया कि गोसाईगंज पुलिस द्वारा लगातार तीन दिन नशीला पदार्थ बेचने वालों को पकड़ जेल भेज दिया है।यदि कल भी कही शराब विक्रेताओं को पकड़ कर जेल भेजने में कामयाबी हासिल कर लेती हैं। समझा जायेगा कि गोसाईगंज पुलिस ने क्रिकेट खिलाड़ियों की भांति चौका मार दिया।यह भी हो सकता है कि पुलिस को पंजा या छक्का मारने की भी कामयाबी उसे मिल जाए।

पूर्व विधायक इंदल कुमार रावत ने प्रियंका गांधी का किया जोरदार स्वागत

संवाददाता

लखनऊ । कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक इंदल कुमार रावत ने क्षेत्र में जनसम्पर्क करने के साथ काकोरी के आगरा एक्सप्रेस वे के टोल प्लाजा पर कंाग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी का भव्य स्वागत किया।जहाँ प्रियंका गांधी ने जनता से उनको भारी मतों से जिताने की अपील की।उनके साथ हबीबुर्रहमान उर्फ छोटे मियां, सुरेंद्र मिश्रा, मेवालाल भारतीय, भगवत मौर्य,आशाराम भारतीय, तितली राठौर, रिंकू यादव, ठाकुर अवधेश सिंह, जमील अहमद अब्बासी, अवनीश यादव, रामकरन रावत, रामनाथ रावत, राजेश सिंह काली, अमित यादव, कन्हैया लाल लोधी, मीना रावत, रेखा रावत सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा ज़िला वन अधिकारी को उपलब्ध कराए गए मत–वृक्ष

संवाददाता

लखनऊ। जिलाधिकारी एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक प्रकाश के द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट में जिला वन अधिकारी को मतदान के दिन रोपित किये जाने वाले मत-वृक्ष उपलब्ध कराए गए। जिसके दृष्टिगत सोमवार को ज़िला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा कलेक्ट्रेट से मत-वृक्ष को रवाना किया और जिला उद्यान अधिकारी को सभी मत-वृक्ष बूथों पर पहुँचाने हेतु निर्देशित किया। ज़िला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा जनपद के सभी मतदाताओ से अपील की गई कि 23 तारीख को अब वह घड़ी आ गई है जिसका हम सभी इन्तिज़ार कर रहे थे। बुधवार को प्रातः 07 बजे से साय 06 बजे तक लखनऊ में मतदान का समय है। सभी मतदाता रिकार्ड वोटिंग करना सुनिश्चित कराए। उन्होंने बताया कि इस बार हमें रिकार्ड बनाना है। लखनऊ ने ठाना है वोटिंग रिकार्ड बनाना है। साथ ही साथ लोगो को प्रेरित करने के लिए जिस तरह से लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हर वोट महत्वपूर्ण है उसी तरह से पर्यावरण को संरक्षित और संवर्धित करने के लिए हर एक पेड़ ज़रूरी है। इन दोनों चीज़ों को हमने जोड़ा है। उन्होंने बताया कि आगामी 23 फरवरी को होने वाले मतदान में प्रत्येक बूथ पर तीन पेड़ लगाए जाएंगे, जिसका नाम मत-वृक्ष होगा। उन्होंने बताया कि हर बूथ पर पहला मत-वृक्ष बूथ की प्रथम महिला मतदाता, दूसरा मत-वृक्ष बूथ के प्रथम पुरुष मतदाता और तीसरा मत-वृक्ष पोलिंग पार्टी द्वारा रोपित किया जाएगा और यह मत-वृक्ष हमारा मतदान हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगा। इसी तरह से यह पेड़ हमारे पर्यावरण को मज़बूत करेगे।

छात्र–छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

विवेक राय

नगराम , लखनऊ । विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए जागरूक करने के लिए सोमवार को नगराम क्षेत्र के बहरौली स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने रैली निकाली । सोमवार को कॉलेज के प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर मतदाता जागरूकता रैली को रवाना किया। प्रधानाचार्य अनिल वर्मा ने बताया कि मतदाता जागरूकता रैली आसपास के शंघाई का पुरवा , भवानी बक्स पुरवा सहित नेहरू नगर के गांवों में शत प्रतिशत मतदान करना जनपद को नंबर 1 बनाना है, के जोशीले नारों के साथ जागरूक किया। मतदाता जागरूकता रैली का नेतृत्व जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज की स्काउट टीम कक्षा 6 के छात्रों द्वारा किया गया , जिसमें शुभ,प्रिंस शुक्ला, विशाल कुमार, पीरु, रुद्र, कमल, अग्रणी रहे। रैली में प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा , स्काउट शिक्षक अमित कुमार , शिक्षक संभू दत्त , प्रदीप , आदर्श सहित सभी शिक्षक एवं छात्र - छात्राएं मौजूद रहे।

पुलिस ब्रीफिंग : अनुशासित, मृदुभाषिता से संपादित करें चुनाव ड्यूटी : डीएम

संवाददाता

- चुनाव में भंग डालने वालों से सख्ती से निपटें फोर्स
- आज मंडी समिति राजापुर से प्रातः आठ बजे से आवंटित पोलिंग बूथ के लिए रवाना होगी पोलिंग पार्टी
- मतदेय स्थल की 200 मीटर की परिधि में अनुमन्य ना होगी कोई भी प्रचार संबंधी गतिविधि

लखीमपुर-खीरी। विाानसभा चुनाव को सकुशल, निर्विघ्नम संपन्न कराने हेतु जिला निर्वाचन आकािरी, जिला मजिस्ट्रेट महेंद्र बहादुर सिंह व पुलिस आीक्षक संजीव सुमन ने पुलिस लाइंस के परेड ग्राउंड में पुलिस बल, पैरामिलेट्री फोर्स व होमगार्ड जवानों की ब्रीफिंग की। ब्रीफिंग में जिला निर्वाचनआकािरी, डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि मतदान स्थल के 200 मीटर परिाि के अंदर कोई भी प्रचार संबंाी गतिविाि अनुमन्य नह होगी। मक पोल सुबह 5:30 बजे से शुरूहोगा। वास्तविक मतदान सुबह सात बजे से शुरूहोगा। मतदान कर्मी पोलिंग कंपार्टमेंट में प्रवेश नह करेंगे। समस्या आने पर एजेंट व सेक्टर मजिस्ट्रेट को सूचना देकर ही प्रवेश करेंगे। हर बूथ पर पैरामिलिट्री फोर्स मौजूद रहेगा। मतदान केंद्र के अंदर केवल वोटर, एजेंट एवं प्रत्याशी ही प्रवेश करेगा। समस्या आने पर प्रशासन द्वारा दिए गए नंबरों पर तत्काल सूचना देंगे। सतर्क .ष्टि रखते हुए चुनाव में भंग डालने वालों सख्ती से निपटा जाए। वोटर पर्ची मतदान में पहचान का आाार नह होगी। आयोग से जारी मतदाता पहचान पत्र के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक पहचान दस्तावेज से मतदान की सुविाा मिलेगी। आशा है कि स्थानीय पुलिस, बाहरी जनपदों से पुलिस फोर्स समेत पैरामिलिट्री फोर्स निर्वाचन को सकुशल एवं

अलर्ट व मुस्तैद रहकर चुनाव में करें ड्यूटी

एसपी संजीव सुमन ने पुलिस ब्रीफिंग के दौरान पुलिस आकािरियों को चुनाव में उनके कार्य दायित्व समझाएं। निर्देश दिए कि मतदेय स्थल के भीतर 200 मीटर के भीतर जमावड़ा ना इकट्ठा होने दे। प्रशासन फोर्स की सभी जरूरी मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएंगी। अलर्ट एवं मुस्तैद होकर अपनी ड्यूटी करे। उन्होंने कहा कि अनुशासित रहें, अच्छी वर्दी पहने, समय से ड्यूटी पर पहुंचे, पहचान पत्र साथ रखें एवं निष्पक्ष रहे, निष्ठा एवं कुशलता से कार्य करें, ड्यूटी कार्ड सुरक्षित रखें, पीठासीन आकािरी को ईवीएम सुरक्षा के लिए सहयोग करें। ड्यूटी पर मास्क, पहन कर रखें कोविड के नियमों का स्वयं पालन करें एवं दूसरों को भी कराएं। उन्होंने कहा कि वह अपेक्षा करते है कि इलेक्शन बहुत शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होगा।

सीडीओ ने फोर्स में भरा उत्साह, बताए दायित्व

सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने मौजूद फोर्स को उनके कार्य दायित्व बताते हुए मा. आयोग के सभी दिशा–निर्देशों की जानकारी देते हुए उनमें उत्साह का संचार किया। आवंटित पोलिंग बूथ पर सतर्क, सचेत रहकर पूरी निर्वाचन प्रक्रिया को सुचितापूर्वक संपन्न कराएं। 22 फरवरी को राजापुर मंडी से पोलिंग पार्टियों की रवानगी होगी, जहां समय से रिपोर्ट करें। आपके कांों पर निर्वाचन को सकुशल, निर्विघ्नं एवं शुचिता पूर्ण संपन्न कराने की जिम्मेदारी है,जिसका कुशलता पूर्वक व सूझबूझ से निर्वाचन दायित्वों का निष्पादन करें।

संयमित व विवेकपूर्ण तरीके से करें चुनाव में ड्यूटी : एएसपी

एएसपी अरुण कुमार सिंह ने ब्रीफिंग की आवश्यकता, प्रासंगिकता बताई। मौजूद सभी पुलिस बल, पैरामिलिट्री फोर्स के जवान पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, जिसमें स्थानीय पुलिस उन्हें समुचित सहयोग करेगी। संयमित व विवेकपूर्ण तरीके से अपने कार्य दायित्वों का पुलिस कर्मी निष्पादन करेंगे।

हर मतदेय स्थल पर रहेंगे पैरामिलिट्री फोर्स के जवान

जनपद खीरी को अन्य जनपदों से 737 निरीक्षक एवं उप निरीक्षक व 5603 मुख्य आरक्षी एवं आरक्षी आवंटित हुए जिन्होंने जनपद को रिपोर्ट कर दिया। जनपद को 5619 होमगार्ड के जवान मिले हैं, जिसमें जिले के 1039 जवान शामिल है। 104 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स निर्वाचन को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस लाइन्स में रिपोर्ट कर चुकी।

एसडीएम ने निकाली जागरूकता रैली, बांटे मतदान निमंत्रण पत्र

संवाददाता

धौरहरा-खीरी। एसडीएम की अगुवाई में कस्बे में मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर मतदान निमंत्रण पत्र वितरण कर लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। सोमवार को एसडीएम ाीरेंद्र सिंह, तहसीलदार संतोष कुमार शुक्ला, अिवक्ता संघ के अयक्ष .ष्ण मोहन तिवारी सहित तहसील स्टाफ ने कस्बे में मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर कस्बे के दुकानदारों व राहगीरों को मतदान निमंत्रण पत्र वितरित किये और लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया। एसडीएम ने सभी से अपील करते हुए कहा कि आने वाली 23 फरवरी को लोकतंत्र के महापर्व में सभी लोग भाग लेते हुए मतदान अवय करें। जिससे अपने जनपद में मतदान का जो लक्ष्य 90 प्रतिात पार कर एक कीर्तिमान स्थापित किया जा सके। रैली तहसील से निकलकर कस्बे के मेनरोड होते हुए विभिन्न मोहल्लो में भ्रमण कर तहसील में समापन किया गया। इस दौरान फैयाज हुसैन, राजकिरन श्रीवास्तव, आशीष शुक्ला

मुख्य विकास अधिकारी ने दिव्यांगों को हरी झंडी दिखाते हुए रैली को रवाना किया

अंबेडकर नगर। जिला मुख्यालय के विकास भवन से दिव्यांग मतदाता जागरूकता रैली का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी घनश्याम मीणा ने दिव्यांगों को हरी झंडी दिखाते हुए रैली को रवाना किया दिव्यांगों ने 3 मार्च को होने वाले विधानसभा चुनाव हेतु सभी मतदाताओं से ''सब बाधाएं करके पार वोट करेंगे अब की बार'' ''सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो'' के नारे लगाते हुए मतदान किए जाने की अपील की गई तथा नारे लगाते हुए रैली निकाली गई तथा आम जनमानस को जागरूक किया गया, दिव्यांग मतदाता जागरूकता रैली कलेक्ट्रेट टांडा रोड पटेल नगर अकबरपुर कोतवाली से होते हुए विकास भवन समाप्त हुई द्य

भाजपा सरकार के ही हाथों में देश और प्रदेश सुरक्षित है : डॉ. मिथिलेश

अम्बेडकर नगर प्रदेश के 16 जनपदों की तीसरे चरण में 59 सीटों की सम्पन्न हुई मतदान में भारतीय जनता पार्टी बड़ी संख्या में सीटें जीतेगी।यह दावा भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ मिथिलेश त्रिपाठी ने किया है।उन्होंने भाजपा जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व पर देश और प्रदेश की जनता को पक्का विश्वास है कि भाजपा सरकार के ही हाथों में देश और प्रदेश सुरक्षित हैचाहे देश की सीमा हो या प्रदेश का विकास यह भाजपा की सरकारों के द्वारा ही संभव है।उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की सरकारों ने प्रदेश को आर्थिक रूप से कंगाल बना दिया था।प्रदेश का किसान,नवजवान,गांव की गरीब जनता सहित हर वर्ग के लोग प्रदेश मे माफियागीरी,भ्रष्ट्राचार तथा बेरोजगारी से परेशान थे। जब से भाजपा की सरकार देश और प्रदेश में बनी है तब से सभी वर्गों के लोग खुशहाल और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार के चुनाव में जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा और गठबंधन के प्रत्याशी चुनाव जीत कर इतिहास रचेंगे और प्रदेश में जनता के आशिर्वाद से भाजपा की पुनः पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

देश के लिए खेल कर अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाये

संवाददाता

अम्बेडकरनगर। राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप एनटीपीसी कप और राज्य स्तरीय सीनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ सोमवार को मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन द्वारा ज्ञान की देवी माँ सरस्वती व मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यर्पणव दीप प्रज्ज्वलन तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया, अध्यक्षता ओलम्पिक संघ के कोषाध्यक्ष व महासचिव यूपी हैंडबॉल आनंदेश्वर पाण्डेय ने किया । मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आप सभी ऐसे ही मेहनत करते हुए आगे बढ़े जिससे आप आगे चलकर देश के लिए खेल कर अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाये। उन्होंने इस जिले में पहली बार राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप आयोजित कराने के लिए एनटीपीसी की तारीफ करते हुए कहा की एनटीपीसी अपने समस्त जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन कर रहा है जिला ओलम्पिक एसोसिएशन के सचिव व कार्यक्रम आयोजक डॉ हनुमान प्रताप सिंह को भी धन्यवाद ज्ञापित किया विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक संजय कुमार सिंह ने कहा कि खेल को बढ़ाने के लिए एनटीपीसी लगातार कार्य कर रही है और आगे भी जब भीआवश्यकता होगी एनटीपीसी अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। एनटीपीसी के जीएम मानव संसाधन एस एन पाणिग्रही ने भी खिलाड़ियों का आभार जताया और शुभकामना दिया। भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डा आनंदेश्वर पांडे ने एनटीपीसी की तारीफ करते हुए कहा की एनटीपीसी के प्रयास से इतना बड़ा खेल हो रहा है एनटीपीसी टांडा बधाई का पात्र है जो की अपने नैग्मिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है इसके अलावा विशिष्ट अतिथि जेएस अहलावत जीएम प्रोजेक्ट ने भी खिलाड़ियों का आभार जताया। इस दौरान स्वीप योजना के तहत खिलाड़ियों के सहित वहाँ मौजूद सभी लोगो को मतदान के लिए जागरूक करते हुए उन्हें शपथ भी दिलाई गई। अयोध्या और प्रयागराज पुरुष और महिला वर्ग में अयोध्या बनाम लखनऊ के बीच खेला गया। दोनों ही वर्गों में अयोध्या की टीम विजयी रही। बस्ती बनाम वाराणसी पुरुष वर्ग में वाराणसी जीती। वाराणसी बनाम अयोध्या महिला वर्ग में अयोध्या की टीम ने विजय हासिल किया। परियोजना निदेशक राकेश प्रसाद, जिला खेल अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री, डिप्टी खेल अधिकारी इरफान सहित तमाम लोग मौजूद रहे ।

सड़क सुरक्षा को लेकर किया प्रतियोगिता का आयोजन, विजयी बच्चों को मिला सम्मान

संवाददाता

सीतापुर । सड़क सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को ब्लाक स्तरीय सम्मान दिया गया । यह पुरस्कार लेखन,चित्रकला व निबंध, तीन विधाओ में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को दिया गया। साथ ही सबसे महत्वपूर्ण बात यह पुरस्कार स्व0 अनिल कुमार स0अ0 की स्मृति में टीम एआरपी गोंदलामऊ द्वारा अनिल एवार्ड के नाम से ,विभाग द्वारा आनलाईन प्रतियोगिता में ब्लाक स्तर पर अव्वल आने वाले बच्चों को दिया जाता है ।बताते चले स्व0 श्री अनिल कुमार स0अ0 प्राथमिक विद्यालय नगवा जैराम के शिक्षक थे।जो विगत वर्ष कोविड की विभीषिका में हमारा साथ छोड़ गये थे।स्व0 अनिल कुमार जी कोविड के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक थे जिनको डायट स्तर पर इस परिप्रेक्ष्य में सम्मानित भी किया गया था। टीम गोंदलामऊ ने विनम्र श्रद्धांजलि स्वरूप यह पुरस्कार अपने स्तर से शुरू किया है ,एवं आदरणीय खंड शिक्षा अधिकारी ब्लॉक-गोंदलामऊ सुशील कुमार सिंह जी द्वारा आज इसकी औपचारिक शुरुआत भी की गई।आशा है हम स्व0 अनिल कुमार जी के उस सपने को साकार करेंगे जो एक प्रेरक गोंदलामऊ ब्लाक का वे रखते थे साथ ही रूचिपूर्ण शिक्षा का।

महिला विश्व कप में अच्छी मानसिकता के साथ जा रहे हैं- स्टेफनी टेलर

दुबई। वेस्टइंडीज की कप्तान स्टेफनी टेलर का मानना है कि उनकी टीम आगामी एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में 'अच्छी मानसिकता' के साथ जा रही है और टीम में युवा तथा अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है।

वेस्टइंडीज की टीम आईसीसी एकदिवसीय टीम तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। टीम को चार मार्च से तीन अप्रैल तक होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के लिए क्वालीफिकेशन दौर से गुजरना पड़ा।

इससे पहले 11 विश्व कप में टीम खिताब जीतने में नाकाम रही है और उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2013 में रहा था जब टीम उप विजेता बनी थी।

टेलर ने आईसीसी के कॉलम में लिखा, ''वेस्टइंडीज की टीम अच्छी मानसिकता के साथ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 में जा रही है। मैंने पिछले काफी लंबे समय में ऐसा नहीं देखा है।''

तीस साल की इस अनुभवी आलराउंडर ने हाल में टीम की सफलता का श्रेय कोच कर्टनी वॉल्श की अगुआई वाले कोचिंग स्टाफ को दिया। टीम ने हाल में पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाएं जीती।

टेलर ने कहा, ''इसका काफी श्रेय कोचिंग स्टाफ को जाता है। कर्टनी वॉल्श 2020 में मुख्य कोच बने और उनका तथा उनकी टीम का काफी गहरा प्रभाव रहा। वे हमें ऐसी चीज सिखाने में सफल रहे जिनकी हमें पहले बिलकुल भी जानकारी नहीं थी।''

विश्व कप में पहले चरण में सभी टीम एक दूसरे के खिलाफ एक मुकाबला खेलेंगी। पहले चरण के बाद शीर्ष चार टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। वेस्टइंडीज की टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च को मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी।

टेलर को डिएंड्रा डोटिन, शामीलिया कोनेल और हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें हैं जबकि टीम में शामिल युवा खिलाड़ी विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगी।

टेलर ने कहा, ''हमारे पास अब भी कुछ खिलाड़ी हैं जो 2017 विश्व कप में खेली थी और डिएंड्रा डोटिन तथा हीली मैथ्यूज जैसी खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में हैं।''

वेस्टइंडीज ने शनिवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की और पांचवां विश्व कप खेलने जा रही आफ स्पिनर अनीसा मोहम्मद को उप कप्तान बनाया गया है।

टीम में पांच युवा खिलाड़ियों स्पिनर करिश्मा रामहरक, तेज गेंदबाज आलिया एलीने, तेज गेंदबाज चैरी आन फ्रेजर, आलराउंडर चिनेले हेनरी और सलामी बल्लेबाज राशदा विलियम्स को शामिल किया गया है जो इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

स्ट्रेंड्जा मेमोरियल में क्वार्टर फाइनल से शुरुआत करेंगी निकहत

श्रेयस मनोरम

सोफिया। भारतीय मुक्केबाजों को यहां स्ट्रेंड्जा मेमोरियल में मुश्किल ड्रॉ मिला है लेकिन निकहत जरीन टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत सीधे क्वार्टर फाइनल से करेंगी।

सुमित और अंजलि तुशीर को पहले दौर के अपने मुकाबलों में कड़े प्रतिद्वंद्वियों से भिड़ना है।

वर्ष 2019 के टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाली जरीन को 52 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बाई मिला है।

जरीन के अलावा नंदिनी (+81 किग्रा) एक अन्य भारतीय मुक्केबाज हैं जो सीधे अंतिम आठ के मुकाबले से अपना अभियान शुरू करेंगी।

अंजलि को 66 किग्रा वर्ग में दो बार की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता रूस की सादत डेल्गातोवा से कड़ी चुनौती मिलेगी।

पुरुष मुक्केबाजों में आकाश कुमार को 67 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बाई मिली है जबकि सुमित (75 किग्रा) अपने अभियान की शुरुआत रविवार को विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता रूस के झामबुलात बिझामोव के खिलाफ करेंगे। भारत की 17 सदस्यीय टीम में सात पुरुष और 10 महिला मुक्केबाजों को शामिल किया गया है। यह पहला गोल्डन बेल्ट सीरीज टूर्नामेंट है और अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ के विश्व मुक्केबाजी टूर प्रारूप की परीक्षण प्रतियोगिता भी है।

वरिंदर सिंह (60 किग्रा) रविवार को भारतीय चुनौती की शुरुआत रूस के आर्तुर सुभखानकुलोव के खिलाफ करेंगे। सुमित, लक्ष्य चाहर (86 किग्रा) और नरेंदर बेरवाल (+92 किग्रा) भी पहले दिन रिंग में उतरेंगे।

वर्ष 1950 में पहली बार आयोजित यूरोप का यह सबसे पुराना अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट 27 फरवरी तक चलेगा। टूर्नामेंट में 36 देश के 450 से अधिक मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं जिसमें कजाखस्तान, इटली, रूस और फ्रांस के मुक्केबाज भी शामिल हैं। यह इस साल भारतीय मुक्केबाजों के लिए पहला टूर्नामेंट है। पिछले सत्र में भारत ने दीपक कुमार के रजत और नवीन बूरा के कांस्य पदक के रूप में दो पदक जीते थे।

सेलेरनिताना के खिलाफ ड्रॉ से एसी मिलान की खिताब की उम्मीदों को झटका

मिलान। शीर्ष पर चल रहे एसी मिलान ने अंतिम स्थान पर चल रहे सेलेरनिताना से शनिवार को 2-2 से ड्रॉ खेला जिससे सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में टीम की खिताब की उम्मीदों को झटका लगा है।

एसी मिलान की टीम 56 अंक के साथ गत चैंपियन इंटर मिलान से दो अंक आगे चल रही है लेकिन उसने दो मैच अधिक खेले हैं। एसी मिलान को तीसरे स्थान पर मौजूद नेपोली पर तीन अंक की बढ़त हासिल है लेकिन इस टीम ने भी उससे एक मैच कम खेला है।

एसी मिलान को इस मुकाबले में शिकस्त का सामना करना पड़ सकता था लेकिन क्रोएशिया के फॉरवर्ड एंटे रेबिच ने 77वें मिनट में गोल दागकर टीम को एक अंक दिला दिया।

इससे पांच मिनट पहले स्ट्राइकर मिलान जूरिच ने सेलेरनिताना को बढ़त दिलाई थी। मैच का पहला गोल पांचवें मिनट में इंटर के जूनियर मेसियास ने दागा लेकिन सेलेरनिताना को 29वें मिनट में फेडेरिको बोनाजोली ने बराबरी दिला दी।

ताइवान के प्रधानमंत्री चाहते हैं चीन की पोशाक पहनने के लिए खिलाड़ी को सजा मिले

ताइपे। ताइवान के प्रधानमंत्री सु सेंग चैंग चाहते हैं कि ताइवान की ओलंपिक स्पीडस्केट खिलाड़ी को सजा दी जाए जिसने ट्रेनिंग के दौरान संभवतः चीन की टीम की पोशाक पहनी थी।

शीतकालीन ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली ताइवान की चार खिलाड़ियों में से एक हुआंग यू टिंग ने अपने सोशल मीडिया पेज पर 23 जनवरी को एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें ऐसा लगा रहा था कि वे चीन की पोशाक में ट्रेनिंग कर रही हैं। सेंट्रल न्यूज एजेंसी (सीएनए) ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने कहा है कि हुआंग ने माफी मांगते हुए वीडियो हटा लिया है।

कैबिनेट के प्रवक्ता लो पिंग चेंग के हवाले से सीएनए ने बताया कि प्रधानमंत्री ने शिक्षा मंत्रालय और खेल प्रशासन को जांच करने को कहा है जिससे कि हुआंग को उचित सजा दी जा सके।

श्रीलंका के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली । अखिल भारतीय वरिष्ठ चयन समिति ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी-20 और टेस्ट श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। टीम इंडिया लखनऊ और धर्मशाला में तीन टी20 मैच खेलेगी।

ऋषभ पंत और विराट कोहली को श्रीलंका के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए आराम दिया गया है। वे कोलकाता में टीम बायो-बबल से बाहर हो गए हैं। केएल राहुल और वाशिंगटन सुंदर अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं और दोनों श्रीलंका श्रृंखला के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। अक्षर पटेल वर्तमान में अपने पुनर्वसन के दौर से गुजर रहे हैं और पहले टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। शार्दुल ठाकुर को श्रीलंका सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

भारत की टी20 टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, सूर्य कुमार यादव, संजू सैमसन, ईशान किशन (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, दीपक चाहर, दीपक हुड्डा, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, मो. सिराज, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), आवेश खान।

भारत की टेस्ट टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), प्रियांक पांचाल, मयंक अग्रवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, शुभमन गिल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत, रवींद्र जडेजा, जयंत यादव, आर अश्विन (विषय) फिटनेस क्लीयरेंस के लिए), कुलदीप यादव, सौरभ कुमार, मो. सिराज, उमेश यादव, मो. शमी, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान)।

रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट ने जीता कतर ओपन का खिताब

कतर। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट ने कतर ओपन का खिताब जीत लिया है। अगुट ने शनिवार रात खेले गए खिताबी मुकाबले में जार्जिया के निकोलोज बेसिलशविली को 86 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-4 से हराकर 2019 के बाद से अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता।

जीत के बाद अगुट ने कहा. मैं बहुत खुश हूं। मुझे ट्रॉफी जीते हुए काफी समय हो गया था। मैं एक और फाइनल में पहुंचने और एक और खिताब जीतने का मौका पाने के लिए बहुत मेहनत कर रहा था। मेरे लिए यह खिताब जीतना एक बड़ा सपना था और अब मैं इसे दो बार जीत चुका हूं। यह मेरे लिए बहुत खास है और मैं बहुत खुश हूं।

विश्व के 16वें नंबर के खिलाड़ी अगुट ने 10 टूर-स्तरीय खिताब जीते हैं। 2016 और 2018 में ऑकलैंड में खिताब जीतने के बाद, दोहा दूसरा एटीपी टूर टूर्नामेंट है, जहां 33 वर्षीय ने अगुट ने एक से ज्यादा खिताब अपने नाम किए हैं।

टोटेनहैम ने मैनचेस्टर सिटी को हराया, रोमांचक हुई खिताब की दौड़

मैनचेस्टर। स्टार खिलाड़ी हैरी केन के दो गोल की मदद से टोटनहैम ने शनिवार को यहां मैनचेस्टर सिटी को 3-2 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट की खिताब की दौड़ को रोमांचक बना दिया।

देजान कुलुसेवस्की ने इतिहाद स्टेडियम में चौथे ही मिनट में टोटेनहैम को बढ़त दिला दी लेकिन इल्काय गुनडोगन ने 33वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया।

मध्यांतर तक स्कोर 1-1 रहा।

केन ने 59वें मिनट में उस टीम के खिलाफ गोल दागकर टोटनहैम को 2-1 की बढ़त दिला दी जो पिछले साल आफ सत्र के दौरान उनसे करार करना चाहती थी।

रियाद मिराज ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में पेनल्टी पर गोल दागकर एक बार फिर मैनचेस्टर सिटी को बराबरी दिला दी।

जब ऐसा लग रहा था कि टोटेनहैम को अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा तब केन ने इंजरी टाइम के पांचवें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

सिटी की टीम अब भी 26 मैच में 63 अंक के साथ शीर्ष पर है। लीवरपूल की टीम 57 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है लेकिन उसने सिटी से एक मैच कम खेला है और बुधवार को टीम के पास सिटी की बढ़त को तीन अंक तक सीमित करने का मौका होगा।

लीवरपूल ने शनिवार को नॉर्विच सिटी को 3-1 से हराया जबकि आर्सेनल ने ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से शिकस्त दी। तीसरे स्थान पर मौजूद चेल्सी ने क्रिस्टल पैलेस को 1-0 से हराया।

बीजिंग ओलंपिक: फिनलैंड ने पहली बार जीता आइस हॉकी का स्वर्ण

बीजिंग। फिनलैंड ने रविवार को बीजिंग के नेशनल इंडोर स्टेडियम में रूसी ओलंपिक समिति को 2-1 से हराकर पहली बार पुरुषों के ओलंपिक आइस हॉकी का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

फ़िनलैंड ने बीजिंग ओलंपिक में अब तक दो स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीते हैं।

खिताबी मुकाबले में रूसी ओलंपिक समिति ने अच्छी शुरुआत करते हुए शुरू से दबाव बनाना शुरू किया और पहले पीरियड में ही बढ़त ले ली। मैच के आठवें मिनट में मिखैल ग्रिगोरेंका ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 स बढ़त दिला दी।

फ़िनलैंड की टीम ने मध्यांतर के बाद डिफेंसमैन विले पोक्का के गोल की बदौलत बराबरी की। इसके बाद ब्योर्निनन ने मैच खत्म होने से 31 सेकंड पहले गोल कर फ़िनलैंड को 2-1 से जीत दिला दी।

बता दें कि शनिवार को कांस्य पदक के मैच में स्लोवाकिया ने जुराज स्लफकोवस्की के दो गोल की बदौलत स्वीडन को 4-0 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

दक्षिण अफ्रीका की आलराउंडर सुने लुस ने कहा, प्रत्येक मैच को फाइनल की तरह खेलेंगे

दुबई। स्टार आलराउंडर सुने लुस ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका आगामी आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप को यादगार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और पहली बार खिताब जीतने की कवायद के तहत टीम प्रत्येक मैच को फाइनल की तरह खेलेगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम कभी विश्व कप खिताब नहीं जीत पाई है और 2017 में टीम को पिछले विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ दो विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। इंग्लैंड बाद में चैंपियन बना था।

लुस ने आईसीसी के लिए कॉलम में लिखा, ''लंबे समय के बाद अंततः विश्व कप का आयोजन हो रहा है। टीम के रूप में हम पिछले पांच साल से तैयारी कर रहे हैं, इंग्लैंड में 2017 विश्व कप से जब हम सेमीफाइनल में हार गए थे।''

उन्होंने कहा, ''प्रत्येक मैच हम फाइनल की तरह खेलेंगे, इसलिए यह जरूरी है कि हम सिर्फ उसी चीज पर ध्यान लगाएं जो हम सर्वश्रेष्ठ कर सकते हैं और जिसे हम नियंत्रित कर सकते हैं। हमारी पिछली श्रृंखलाओं में यही चीज हमारे लिए सर्वश्रेष्ठ रही है। हमने बेसिक्स सही रखने का प्रयास किया और नतीजे अपने आप मिले। ''छब्बीस साल की लुस ने कहा कि उनकी टीम का मुख्य लक्ष्य 'कमजोर टीम' के ठप्पे को हटाना है।

उन्होंने कहा, ''हमें हमेशा कमजोर टीम के रूप में देखा जाता है लेकिन हमने पिछले कुछ वर्षों में दिखाया है कि हमारी टीम क्या कर सकती है। हमने भारत और वेस्टइंडीज जैसे देशों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके दिखाया है जहां खेलना मुश्किल होता है। दो साल पहले आस्ट्रेलिया में हमारे लिए टी20 विश्व कप शानदार रहा था।''

लुस ने कहा, ''उम्मीद करता हूं कि इस साल हम ऐसा ही कर पाएंगे और फाइनल में पहुंचेंगे जिसके हम तीन बार करीब पहुंचकर चूक गए थे।''

मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के पास न्यूजीलैंड में चार मार्च से तीन अप्रैल तक होने वाले विश्व कप में अच्छा मौका रहेगा।

वेस्टइंडीज ने महिला विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की

सेंट जोन्स । वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड में चार मार्च से तीन अप्रैल तक होने वाले महिला एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के लिए शनिवार को स्टार आलराउंडर स्टेफनी टेलर की अगुआई में 15 सदस्यीय टीम घोषित की।

अपना पांचवां विश्व कप खेलने जा रही आफ स्पिनर अनीसा मोहम्मद को उप कप्तान बनाया गया है।

सभी प्रारूपों में 300 अंतरराष्ट्रीय विकेट की उपलब्धि से सिर्फ एक विकेट दूर अनीसा ने इसी महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के अंतिम मैच में टीम की कमान संभाली थी जब टेलर के सिर में चोट (कनकशन) लगी थी।

मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली लेग स्पिनर एफी फ्लेचर को भी टीम में शामिल किया गया है।

टीम में पांच युवा खिलाड़ियों स्पिनर करिश्मा रामहरक, तेज गेंदबाज आलिया एलीने, तेज गेंदबाज चैरी आन फ्रेजर, आलराउंडर चिनेले हेनरी और सलामी बल्लेबाज राशदा विलियम्स को शामिल किया गया है जो इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

टूर्नामेंट के कोविड-19 नियमों के तहत वेस्टइंडीज ने टीम के साथ यात्रा करने वाली तीन रिजर्व खिलाड़ियों की घोषणा भी की जो केसिया शुल्ट्ज, मेंडी मांगरू और जेनीलिया ग्लास्गो होंगी।

खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका से न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद अपना पृथकवास पूरा कर चुकी हैं।

वेस्टइंडीज को चार मार्च को तौरंगा के बे ओवल में मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलना है।

टीम इस प्रकार हैः

स्टेफनी टेलर (कप्तान), अनीसा मोहम्मद, आलिया एलीने, शेमाइन कैंपबेल, शामीलिया कोनेल, डियांड्रा डोटिन, एफी फ्लेचर, चैरी आन फ्रेजर, चिनेले हेनरी, काइसिया नाइट, हेली मैथ्यूज, चेडीन नेशन, करिश्मा रामहरक, शकीरा सेलमन और राशदा विलियम्स।

रिजर्व खिलाड़ीः

केसिया शुल्ट्ज, मेंडी मांगरू और जेनीलिया ग्लास्गो।

एटलेटिको मैड्रिड ने ओसासुना को हराया, रीयाल मैड्रिड भी जीता

बार्सीलोना। खराब फॉर्म से जूझ रहे एटलेटिको मैड्रिड ने चैंपियन्स लीग में मैनचेस्टर यूनाईटेड और क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सामना करने से पहले शनिवार को ला लीगा में ओसासुना को 3-0 से हराकर आत्मविश्वास भरी जीत दर्ज की।

एटलेटिको को तीसरे ही मिनट में जाओ फेलिक्स ने बढ़त दिलाई। लुई सुआरेज ने 59वें मिनट में टीम की बढ़त को दोगुना किया जबकि एंजेल कोरिया (89वें मिनट) ने अंतिम लम्हों में एक और गोल दागकर एटलेटिको की 3-0 से जीत सुनिश्चित की।

नवंबर के अंतिम हफ्ते के बाद एटलेटिको की विरोधी टीम की मेजबानी में पहली जीत है। टीम को पिछले मैच में घरेलू मैदान पर लेवांटे के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी थी जो अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है।

रीयाल मैड्रिड ने मार्को एसेंसियो (63वें मिनट), विनीसियस जूनियर (80वें मिनट) और करीम बेनजेमा (90 प्लस एक मिनट) के दूसरे हाफ में दागे गोलों की मदद से अलावेस को 3-0 से शिकस्त दी।

रीयाल मैड्रिड की टीम 25 मैच में 57 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार है। दूसरे स्थान पर मौजूद सेविला के 50 अंक हैं लेकिन उसने रीयाल मैड्रिड से एक मैच कम खेला है।

फुटबॉल कोच रुस्तम अकरामोव का निधन

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कोच रुस्तम अकरामोव का उज्बेकिस्तान में अपने पैत्रिक स्थल पर निधन हो गया।

अकरामोव के मार्गदर्शन में 1995 में दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और टीम ने अपनी सर्वश्रेष्ठ फीफा रैंकिंग हासिल की थी।

अकरामोव 73 साल के थे।

उज्बेकिस्तान की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की आधिकारिक

वेबसाइट के अनुसार उज्बेकिस्तान के इस दिग्गज कोच का निधन 15 फरवरी को हुआ।

उज्बेकिस्तान की ओलंपिक संस्था ने कहा, ''उज्बेकिस्तान राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और काउंसिल आफ स्पोर्ट्स वेटरंस आफ उज्बेकिस्तान रुस्तम अकरामोव के निधन के संदर्भ में उनके परिवार और मित्रों के प्रति संवेदना व्यक्त करती है।''

अपने करियर के दौरान उन्होंने उज्बेकिस्तान और पूर्व सोवियत फुटबॉल के विकास में बड़ी भूमिका निभाई।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने अकरामोव के निधन पर शोक जताया है जो 1995 से 1997 तक राष्ट्रीय टीम के प्रभारी रहे।

एआईएफएफ ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, ''हम भारतीय राष्ट्रीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रुस्तम अकरामोव के निधन पर शोक जताते हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।''

अपने संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान अकरामोव कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीत पाए लेकिन उनके मार्गदर्शन में सिक्किम के किशोर भूटिया को मार्च 1995 में थाईलैंड के खिलाफ नेहरू कप मैच में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का मौका मिला।

अकरामोव के मार्गदर्शन में आईएम विजयन, कार्लटन चैपमैन और ब्रूनो कोटिन्हो जैसे दिग्गजों के अलावा युवा भूटिया भारतीय फुटबॉल टीम का हिस्सा थे।